WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 250 | लखनऊ, रविवार, 30 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

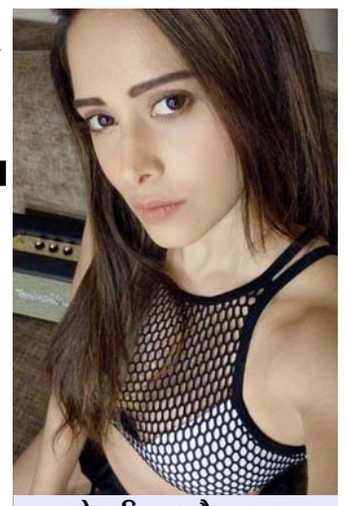

बेहद दिलकश है नुसरत भरूचा की ये लेटेस्ट तस्वीरें

आत्मनिर्भरता का लक्ष्य किसानों को एक उत्पादक के साथ ही उद्यमी बनाने का भी

देश में तीन केंद्रीय एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटीज

उन्होंने कहा कि छह वर्ष पहले जहां देश में सिर्फ एक केंद्रीय कृषि विश्विद्यालय था, आज तीन केंद्रीय एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटीज देश में काम कर रही हैं। इसके अलावा तीन और राष्ट्रीय संस्थान आइएआरए झारखंड, आइएआरए असोम तथा बिहार के मोतीहारी में महात्मा गांधी इंट्रीग्रेटेड फार्मिंग की स्थापना की जा रही है।

वैज्ञानिक तरीके से संभाला टिड्डी दल का हमला

पीएम मोदी ने कहा कि बीती मई में देश के साथ बुंदेलखंड में टिड्डी दल का हमला हुआ था। देश के दस से ज्यादा राज्य इससे प्रभावित हुए थे। जिस तेजी से ये फैल रहा था उसमें पारंपरिक माध्यमों से इस पर काबू पाना मुश्किल था। इतने बड़े हमले को भारत ने वैज्ञानिक तरीके से संभाला है। यह बहुत बड़ा काम हुआ है ऐसे काम पूर्व नियोजित नहीं होते हैं।

झांसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में पिछड़ेपन का दंश झेल रहे बुंदेलखंड को केंद्र की नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार मुख्यधारा में लाने के प्रयास में हैं। इसी क्रम में शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने झांसी में रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कॉलेज और प्रशासन भवनों का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान कहा कि कभी रानी लक्ष्मीबाई ने बुंदेलखंड की धरती पर गर्जना की थी- मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। आज एक नई गर्जना की आवश्यकता है, मेरी झांसी-मेरा बुंदेलखंड। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाने के लिए अब झांसी का यह कृषि विश्वविद्यालय पूरी ताकत लगा देगा, एक नया अध्याय लिखेगा। यह तो तय है कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाने के लिए कृषि की बहुत बड़ी भूमिका की है। उन्होंने कहा कि कृषि में स्टार्ट अप के नये-नये रास्ते खुल रहे हैं। अब तो बीज से लेकर बाजार भी तकनीक पर आधारित हैं। कृषि क्षेत्र में भी अब तकनीक के प्रयोग से फसल में इजाफा होने से किसान भी पहले से बेहतर की स्थिति में हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब हमारी सरकार का प्रयास तो कृषि में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के साथ किसानों को एक उत्पादक के साथ ही उद्यमी बनाने का भी है। जब किसान और खेती, उद्योग के रूप में आगे बढ़ेगी तो बड़े स्तर पर गांव में और गांव के पास ही रोजगार और स्वरोजगार के अवसर तैयार होने वाले हैं। जब हम कृषि में आत्मनिर्भरता की बात करते हैं तो यह सिर्फ खाद्यान्न तक ही सीमित नहीं है। बल्कि ये गांव की पूरी अर्थव्यवस्था की आत्मनिर्भरता की बात है। यह देश में खेती से पैदा होने वाले उत्पादों में वैल्यू एडिशन करके देश और दुनिया के बाजारों में पहुंचाने का मिशन है। उन्होंने कहा कि कृषि में स्टार्ट अप के नये-नये रास्ते खुल रहे हैं। अब तो बीज से लेकर बाजार भी तकनीक पर आधारित हैं।

कृषि से जुड़ी शिक्षा स्कूल स्तर पर ले जाना भी आवश्यक

प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि से जुड़ी शिक्षा को, उसकी प्रेक्टिकल एप्लीकेशन को स्कूल स्तर पर ले जाना भी आवश्यक है। हमारी सरकार का प्रयास है कि गांव के स्तर पर मिडिल स्कूल लेवल पर ही कृषि के विषय को लागू किया जाए। इससे दो लाभ होंगे। एक लाभ तो ये होगा कि गांव के बच्चों में खेती से जुड़ी जो एक स्वभाविक समझ होती है, उसका विस्तार होगा। दूसरा लाभ यह होगा कि वो खेती और इससे जुड़ी तकनीक, व्यापार-कारोबार के बारे में अपने परिवार को ज्यादा जानकारी दे पाएगा। ड्रोन टेक्नॉलॉजी हो, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की टेक्नॉलॉजी हो, आधुनिक कृषि उपकरण हों, इसको देश की कृषि में अधिक से अधिक उपयोग में लाने के लिए आप जैसे युवा शोध करने वालों के साथ युवा वैज्ञानिकों को निरंतर काम करना होगा।

करीब 65 हजार लोग एक दिन में कोरोनामुक्त

सक्रिय मामले 10 हजार बढ़े

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप के बीच राहत की बात यह है कि पिछले 24 घंटों के दौरान करीब 65 हजार मरीजों ने इस संक्रमण से निजात पायी है जिससे रोगमुक्त होने वालों की कुल संख्या 26.49 लाख पर पहुंच गयी है हालांकि इसकी तुलना में अधिक नये मामले सामने आने से सक्रिय मामले 10 हजार से ज्यादा बढ़े हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 65,050 लोगों के संक्रमणमुक्त होने से स्वस्थ होने वालों की संख्या 26,48,999 हो गयी है। इस दौरान संक्रमण के 76,472 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 34,63,973 हो गया। स्वस्थ होने वालों की तुलना में संक्रमण के नये मामले अधिक होने से सक्रिय मामले 10,401 बढ़कर 7,52,424 हो गये हैं। देश के केवल 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस दौरान मरीजों की संख्या कम हुई है और इनमें से छह राज्यों में यह संख्या दहाई अंकों तक ही सीमित रह गयी। इस अवधि में 1,021 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 62,550 हो गयी। देश में सक्रिय मामले 21.72 प्रतिशत और रोगमुक्त होने वालों की दर 76.47 प्रतिशत है जबकि मृतकों की दर 1.81 प्रतिशत है। कोरोना से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 2,489 बढ़कर 1,81,050 हो गयी तथा 331 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 23,775 हो गया। इस दौरान 11,607 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 5,43,170 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 1,982 बढ़ने से सक्रिय मामले 96,191 हो गये।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता खतरे में लोकतांत्रिक संस्थाएं ध्वस्तःसोनिया

रायपुर, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मोदी सरकार का नाम लिए बगैर उस पर करारा प्रहार करते हुए आज कहा कि देश और समाज में नफरत फैलाने वाली ताकतें लोकतंत्र के सामने चुनौती बन गई हैं। श्रीमती गांधी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के नये भवन के निर्माण के शिलापट का अनावरण करने के बाद उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि संसद और विधानसभा लोकतंत्र के सबसे बड़े स्तंभ और पवित्र मंदिर हैं। यहां संविधान की रक्षा होती है, लेकिन यह याद रखना होगा कि संविधान भवनों से नहीं भावनाओं से बचेगा।हमारे पुरखों ने आजादी की लड़ाई लड़ी, उनके सपनों पूरा करने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। उन्होने देश के मौजूदा हालात का उल्लेख करते हुए कहा कि देश और समाज में नफरत फैलाने वाली ताकतें लोकतंत्र के सामने चुनौती बन गई हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता खतरे में हैं, लोकतांत्रिक संस्थाएं ध्वस्त हैं। नफरत फैलाने वाली ताकतें चाहती हैं कि समाज के सभी वर्ग के लोग अपना मुंह बंद रखें।वह देश का मुंह बंद करना चाहती हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, डा. राजेंद्र प्रसाद, बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर ने यह सोचा नहीं होगा कि आजादी के 73 वर्ष बाद ऐसा कठिन समय का सामना लोगों को करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आज हम शपथ लें कि हम समाज के अंतिम व्यक्ति को ध्यान में रखकर फैसले लेंगे।उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और छत्तीसगढ़ सरकार के कामकाज की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार अंतिम व्यक्ति को ध्यान में रखकर फैसले ले रही है। सांसद राहुल गांधी ने अपने प्रेषित संदेश में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार जनता के प्रति अपने उत्तरदायित्व को बेहतर तरीके से निभा रही है।

प्रणव मुखर्जी की हालत में बेहद मामूली सुधार

नयी दिल्ली, एजेंसी। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के स्वास्थ्य में बेहद मामूली सुधार हुआ है हालाकि वह अभी भी बेहोशी की हालत में और वेंटीलेटर हैं। श्री मुखर्जी को गत 10 अगस्त को सेना के रिसर्च एंड रैफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल ने आज जारी मेडिकल बुलेटिन में कहा कि श्री मुखर्जी का फेफड़े में संक्रमण के लिए उपचार किया जा रहा है। उनकी गुर्दे से संबंधित गड़बड़ी में मामूली सुधार हुआ है और उनकी इस जांच सकारात्मक हैं। वह लगातार गहरी बेहोशी में और वेंटीलेटर पर हैं। उनका रक्तचाप और दिल की धड़कन आदि स्थिर हैं। पूर्व राष्ट्रपति के मस्तिष्क में जमे खून के थक्के को हटाने के लिए पिछले दिनों उनका ऑपरेशन किया गया था।

व्हाट्सऐप-भाजपा मिलीभगत का अमेरिका में हुआ खुलासाःराहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने राजनीतिक लाभ के लिए सोशल मीडिया फेसबुक-व्हाट्सऐप का इस्तेमाल करती है और इनकी मिलीभगत का खुलासा अमेरिका की टाइम पत्रिका ने किया है। श्री गांधी के साथ ही कांग्रेस पार्टी ने इस गठबंधन को लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताया है। पार्टी ने इसकी शिकायत व्हाट्सऐप के मालिक मार्क्स जुकरबर्ग से की है। पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल ने अपनी शिकायत में कहा कि यह मिलीभगत भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती पैदा करता है इसलिए इस सांठगांठ की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि फेसबुक और भाजपा के बीच सांठगांठ का खुलासा अमेरिका से प्रकाशित वाल स्ट्रीट जर्नल में हुआ था और इसकी 17 अगस्त को उन्होंने शिकायत की थी लेकिन अब अमेरिकी पत्रिका टाइम ने भाजपा व्हाट्सऐप के बीच ककी साठगांठ का खुलासा किया है और इस मामले की भी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। श्री गांधी ने ट्वीट किया, अमेरिका की टाइम पत्रिका ने व्हाट्सऐप-भाजपा की मिलीभगत का खुलासा किया है। व्हाट्सऐप का करीब 40 करोड़ भारतीय उपयोग करते है और अब भुगतान करने के लिए इसका इस्तेमाल करने की फिराक में है जिसके लिए मोदी सरकार की स्वीकृति आवश्यक है। भाजपा की इस तरह से व्हाट्सऐप पर पकड़ है।

ममता ने सितंबर में विश्वविद्यालय परीक्षा आयोजित कराने से किया इंकार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को स्पष्ट किया कि राज्य में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर सितंबर में यूनिवर्सिटी की कोई परीक्षा आयोजित नहीं करायी जाएगी। राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण से शुक्रवार को 56 मौतें हुई हैं जिससे राज्य में कुल मौतों की संख्या बढ़कर 3073 हो गई है। राज्य सरकार के स्वास्थ्य बुलेटिन के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के 2982 नए मामले आए हैं जिससे कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1,53,754 हो गई है। राज्य में मरीजों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 80.86 प्रतिशत हो गई है। पिछले 24 घंटों में 42,121 नमूनों का परीक्षण किया गया है जिससे अब तक कुल 17,58,728 नमूनों का परीक्षण हो चुका है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्वस्थ हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्वस्थ अब पूरी तरह स्वस्थ हो गए हैं और उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दी जा सकती है। अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान (एम्स) की ओर से शनिवार को यह जानकारी दी गई है। गृहमंत्री पिछले दिनों कोरोना संक्रमित पाए गए थे। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में इलाज के बाद पोस्ट कोविड केयर के लिए उन्हें एम्स में भर्ती किया गया था। केंद्रीय गृह को 18 अगस्त को दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती कराया गया। उन्हें ओल्ड प्राइवेट वार्ड में रखा गया था, जहां एम्स के डायरेक्टर डॉक्टर रणदीप गुलेरिया की देखरेख में उनका इलाज चला। वह थकान और शरीर में दर्द महसूस कर रहे थे। एम्स के मीडिया और प्रोटोकॉल विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उनकी कोरोना जांच भी की गई, जो कि नेगेटिव आई। 55 वर्षीय शाह ने 2 अगस्त को ट्विटर के माध्यम से देश के बताया था।

आत्मसमर्पण करने वाले आतंकी ने सेना का किया धन्यवाद

कहा- पढ़ाई पूरी कर देश का नाम करूंगा रोशन

श्रीनगर, एजेंसी। दक्षिण कश्मीर के जिला शोपियां में मुठभेड़ के दौरान आत्मसमर्पण करने वाले अल-बदर आतंकी ने उसे यह मौका देने के लिए सेना का धन्यवाद किया है। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने अल-बदर के जिला कमांडर समेत चार आतंकियों को मार गिराया था। परंतु मुठभेड़ में बचे इस आतंकी ने आत्मसमर्पण कर दिया। उसे आत्मसमर्पण कराने में सबसे अहम भूमिका कर्नल एके सिंह ने निभाई। गत शुक्रवार को जिला शोपियां में खोनपोरा श्रीनगर के पंच का शव मिलने के कुछ ही घंटों बाद सुरक्षाबलों को शोपियां के किलूरा गांव में आतंकवादियों के छिपे होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही सेना, पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। एक मकान में छिपे इन आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों को नजदीक आते देख गोलीबारी शुरू कर दी। सेना ने आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा परंतु उन्होंने इसकी परवाह न करते गोलीबारी जारी रखी। चार घंटों के भीतर सुरक्षाबलों ने अल-बदर के जिला कमांडर समेत चार आतंकवादियों को ढेर कर दिया। दरअसल पंच की हत्या करने में अल-बदर के जिला कमांडर शाकूर पारे और उसके साथी सुहेल भट का हाथ था। इसी बीच अभियान की कमान संभाल रहे कर्नल एके सिंह को पता चला कि ये सभी आतंकवादी स्थानीय हैं। अब जो आतंकी जिंदा बचा है उसका नाम आदिल राशिद भट है कर्नल ने उससे संपर्क किया और उसे आत्मसमर्पण कर अपनी डिग्री पूरी करने को कहा। आदिल आत्मसमर्पण करने को तैयार हो गया। आत्मसमर्पण करने के बाद आदिल ने सेना का धन्यवाद किया कि उसे आत्मसमर्पण करने का मौका दिया गया।

ध्यानचंद का हॉकी स्टिक से जुड़ा विलक्षण जादू भुलाया नहीं जा सकताः मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'राष्ट्रीय खेल दिवस' पर शनिवार को खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री मोदी ने महान भारतीय हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, ''आज राष्ट्रीय खेल दिवस पर हम मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिनका हॉकी स्टिक से जुड़ा विलक्षण जादू कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।'' प्रधानमंत्री ने 'राष्ट्रीय खेल दिवस' पर खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''राष्ट्रीय खेल दिवस उन सभी अनुकरणीय खिलाड़ियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का उत्सव मनाने का विशिष्ट दिन है, जिन्होंने विभिन्न खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और इसके साथ ही हमारे राष्ट्र को गौरवान्वित किया है।

रिया चक्रवर्ती से सीबीआई की पूछताछ

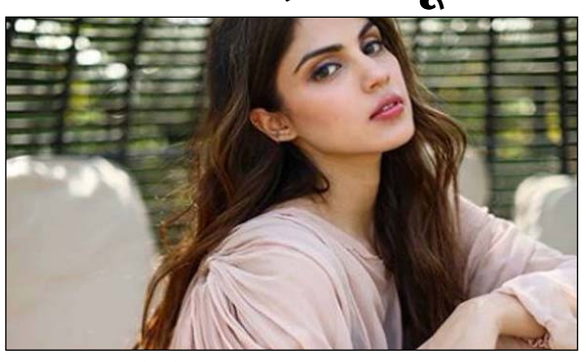

मुंबई, संवाददाता। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मुख्य आरोपी रिया चक्रवर्ती लगातार दूसरे दिन पूछताछ के लिए डीआरडीओ के गेस्ट हाउस पहुंच गई है। इसके साथ ही सुशांत सिंह राजपूत के चार्टेड अकाउंटेंट संदीप श्रीधर डीआरडीओ गेस्ट हाउस पहुंचे हुए हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी यहीं ठहरे हुए हैं और यहीं पूछताछ भी हो रही है। वहीं, इसके पहले रिया चक्रवर्ती यहां मुंबई पुलिस की सुरक्षा में पहुंची। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि सीबीआइ के अनुरोध पर रिया को सुरक्षा प्रदान की गई है। बता दें कि सीबीआइ जांच का आज नौवां दिन है। वहीं सुशांत के दोस्त सिद्धार्थ पिठानी, कुक नीरज सिंह व अभिनेता के एक और स्टाफ केशव बचनेर से भी पूछताछ हो रही है। इससे पहले सीबीआइ ने शुक्रवार को पहली बार रिया से पूछताछ की। यह पूछताछ लगभग 10 घंटे तक चली। रिया पर सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। सुशांत मामले की जांच के सिलसिले में सीबीआइ की टीम पिछले नौ दिनों से मुंबई में है। जांच टीम ने गुरुवार को रिया के भाई शौविक चक्रवर्ती का आठ घंटे से ज्यादा समय तक बयान दर्ज किया था। इस मामले में सीबीआइ अब तक पिठानी, सुशांत के रसोइया नीरज सिंह तथा घरेलू सहायक दीपेश सावंत समेत कई अन्य लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। मालूम हो कि सीबीआइ द्वारा इस मामले में जांच का जिम्मा संभालने के पहले मुंबई पुलिस भी रिया चक्रवर्ती का बयान दर्ज कर चुकी है। सुशांत 14 जून को मुंबई के बांद्रा में एक अपार्टमेंट के अपने फ्लैट में मृत पाए गए थे। दूसरी ओर, सुशांत की मौत मामले से ही जुड़े मनी लांड्रिंग के एक केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गोवा के एक कारोबारी गौरव आर्या को समन किया है।

श्रीनगर में प्रतिबंध हटा जनजीवन पटरी पर लौटा

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में मुहर्रम के जुलूस को रोकने के लिए शुक्रवार की सुबह लगाए गए प्रतिबंध को अधिकारियों ने हटा दिया जिसके बाद शनिवार से जनजीवन पटरी पर लौट आया। कश्मीर के आयुक्त के पोल ने गुरुवार शाम को दोहराया था कि वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर कश्मीर घाटी के सभी जिलों में धार्मिक जुलूसों और समारोहों पर कड़े प्रतिबंध जारी रहेंगे। इस्लामिक कैलेंडर के मुहर्रम महीने के आठवें दिन ताजिया जुलूस को रोकने के लिए शुक्रवार सुबह प्रतिबंध लगाए गए थे। यह प्रतिबंध शहीद गुंज थानांतर्गत गुरु बाजार से शहर के ऐतिहासिक लाल चौक और मौलाना आजाद रोड से लेकर पुराने शहर के इमामबाड़ा डलगेट में लगाए गए थे। प्रतिबंध के कारण शुक्रवार को किसी भी तरह का जुलूस नहीं निकाला गया हालांकि, मातम मनाते हुए डलगेट इमामबाड़ा की ओर जा रहे कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। आज प्रतिबंध हटा लिया गया है लेकिन इसे मुहर्रम महीने के 10वें दिन यानी रविवार को एक बार फिर से लगाया जाएगा।

कच्चे मकान की छत अचानक ढही

हादसे में नौ बच्चे दबे, तीन की मौत, छह की हालत गम्भीर

पुलिस अधीक्षक व उपजिलाधिकारी ने घटनास्थल पहुंच परिजनों को ढ़ांढस बंधाया

फतेहपुर (प्रभात व्यूज)। बिंदकी तहसील के ग्राम रतवा खेड़ा में अचानक एक कच्चे मकान की छत ढह जाने से 9 बच्चे दब गए जिनमें तीन की मौत हो गई और छह का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी में किया जा रहा है। इस दर्दनाक हादसे की खबर जैसे ही ग्रामीणों को लगी मौके पर एक बड़ा हुजूम लग गया। अभी भी रेस्क्यू कार्य चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के ग्राम रतवा खेड़ा में हरी लाल पाल के कच्चे मकान की छत अचानक ढह गई जिससे घर के अंदर खेल रही गुड़िया देवी 13 वर्ष पुत्र शिवपूजन, सभा जीत 10 वर्ष पुत्र सुनील कुमार व शिशुपाल 3 वर्ष पुत्र सुनील कुमार की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि छह अन्य बच्चों की हालत गंभीर है। जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी में भर्ती कराया गया है। इस दर्दनाक घटना की सूचना मिलते ही थाना कोतवाली का पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कार्य प्रारंभ करा दिया और दबे हुए बच्चों को बाहर निकाला। तत्काल प्रभाव से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिन्दकी ले जाया गया। जहां पर डाक्टरों ने तीन बच्चों को मृत घोषित कर दिया, अन्य 6 की गंभीर हालत देखते हुए अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है।

घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार वर्मा भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने रेस्क्यू कार्य का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि आज सुबह 09 बजे बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रतवा खेड़ा में हरी लाल पाल का कच्चा मकान की छत ढह गई जिसमें 09 बच्चे दब गए, जिन्हें रेस्क्यू करके निकाला गया। जिनमें 3 बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई । अन्य छह लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है और अब वह खतरे से बाहर हैं। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक अभी भी रेस्क्यू आपरेशन चल रहा है । घटना की सूचना पर गांव के लोग बड़ी मात्रा में इकट्ठे हो गए। घटना की सूचना जैसे जैसे लोगों को मिल रही है लोगों का पहुंचना जारी है । घायलों को देखने के लिए भी अस्पताल में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं ।घटना की सूचना मिलने पर उपजिलाधिकारी आशीष कुमार भी मौके पर पहुंचे और घायलों की जानकारी ली ।उपजिलाधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर घायलों के बारे में जानकारी ली है। फिलहाल घायलों की स्थिति अभी गंभीर बनी हुई है। उपजिलाधिकारी आशीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा ने परिजनों को आश्वस्त करते हुए कहा है कि वे उनकी हर संभव मदद करेंगे।अस्पताल में जो बच्चे गंभीर हालत में भर्ती कराए गए हैं। उनमें राखी 12 वर्ष पुत्री अनिल पाल, आशी 6 वर्ष पुत्री सुनील पाल, राजपाल 3 वर्ष पुत्र सुनील, सीलम 8 वर्ष पुत्र राजेंद्र पाल, आर्यन 4 वर्ष पुत्र अनुज, अनुराग 5 वर्ष पुत्र अनुज का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। हालांकि डॉक्टरों का कहना है की सभी बच्चे खतरे से बाहर है।

औरैया में हुई मनोज दुबे की हत्या में पुलिसिया रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, प्रदेश में व्याप्त है जंगलराज

➲ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का आचरण अमर्यादित और निन्दनीय: आराधना मिश्रा मोना
➲ अपराधी बेखौफ, कानून व्यवस्था पर सरकार का नियंत्रण खत्म: अजय कुमार लल्लू
➲ प्रदेश में लगातार अपहरण और हत्याओं से आम जनता में खौफ: आराधना मिश्रा मोना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हत्या, बलात्कार और लूट की घटनाओं में बाढ़ आ गयी है। योगी सरकार अपने कुछ अधिकारियों के साथ वातानुकूलित कक्ष में बैठक करके अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ले रही है और अपराधी पूरी तरह बेखौफ होकर जब जहां चाहते हैं लोगों को गोलियों का शिकार बना रहे हैं। सरकार कानून व्यवस्था पर नियंत्रण पूरी तरह खो चुकी है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश में ताबड़तोड़ हो रही हत्याओं पर सरकार और पुलिस के नकारात्मक रवैये को जिम्मेदार ठहराया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री

अजय कुमार लल्लू ने जारी बयान में कहा कि औरैया में पुलिस के नकारापन रवैये ने मनोज दुबे को लील लिया। मनोज दुबे के अपहरण को स्थानीय पुलिस अपनी करनी छुपाने के चक्कर में कई दिनों तक गुमशुदगी का रूप देकर हाथ पर हाथ धरे बैठी रही और अपराधियों ने मनोज दुबे को मौत के घाट उतार दिया। मनोज दुबे का पूरा परिवार योगी सरकार की नाकामी की वजह से आज कराह रहा है। प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि प्रदेश का कोई ऐसा जनपद होगा, जहां हत्या, लूट और बलात्कार की जघन्य घटना न घटी हो, लखीमपुर, गोरखपुर, बलिया, कानपुर, बनारस, लखनऊ, गाजीपुर, अमरोहा, हरदोई, बाराबंकी, अम्बेडकरनगर, नोएडा, जालौन सहित पूरे प्रदेश की जनता खौफ के साये में जीने को मजबूर है। सरकार अपने प्राथमिक दायित्व आम जनता को सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम है। कांग्रेस विधानमंडल दल नेता श्रीमती आराधना मिश्रा मोना ने योगी सरकार से सवाल किया है कि आखिर प्रदेश में व्याप्त जंगलराज के लिए कौन जिम्मेदार है? योगी सरकार अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकती है। श्रीमती आराधना मिश्रा ने पत्रकारों के उत्पीड़न के मुद्दे पर एक पत्रकार के सवाल पर उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा उक्त पत्रकार को पत्रकारिता छोड़कर नेतागिरी करने की सीख देने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केशव प्रसाद मौर्य अपने पद की मर्यादा भूल चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी के मंत्री, विधायक और नेता सत्ता के घमण्ड में इस कदर चूर हो चुके हैं कि उलूल-जुलूल बयानबाजी पर उतर आये हैं। जनता सब देख रही है। समय आने पर इनको सबक अवश्य सिखायेगी।

सुरक्षित वित्तीय भविष्य के लिये जीवन बीमा का महत्व समझना जरूरी

लखनऊ, संवाददाता। मैक्स लाइफ इंश्योरेंस के डायरेक्टर व चीफ मार्केटिंग ऑफिसर आलोक भान ने कहा कोविड19 ने हम सभी के लिए अनूठी परिस्थितियां बना दी हैं। इस स्थिति ने हमें न सिर्फ मानसिक और शारीरिक तौर पर प्रभावित किया है बल्कि यह अपने साथ कई वित्तीय चुनौतियां भी लाई है। कोविड 19 को लेकर अनिश्चितता को देखते हुए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि व्यक्ति अपने करीबी लोगों का वित्तीय भविष्य सुरक्षित रखने के लिए लाइफ इंश्योरेंस के महत्व को समझे। श्री भान कम्पनी द्वारा कंतार के साथ मिलकर कराए गए अपने प्रमुख सर्वे मैक्स लाइफ इंडिया प्रोटेक्शन कोशेंट-एक्सप्रेस के कोविड 19 संस्करण के परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुये बताया कि रिपोर्ट में आईपीक्यू एक्सप्रेस शीर्षक इस सर्वे में ग्राहकों को कोविड-19 काल में परेशान कर रही चिंताओं का खुलासा हुआ है।

खेत में काम करने गई महिला को सांप ने डसा

बिंदकी, फतेहपुर। खेत में काम करने गई महिला को अचानक सर्प ने डस लिया महिला की हालत बिगड़ी तो इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया इस बीच परिजनों तक ग्रामीणों में हड़कंप मचा रहा जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के सिलावन गांव में सीमा देवी उम्र 25 वर्ष पत्नी मनोज कुमार अपने खेतों में चारा काटने गई थी, तभी खेतों में चारा काटते समय अचानक उसके हाथ में सर्प ने डस लिया सर्प के डसने के बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी परिजनों ने निजी वाहन से लाकर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में भर्ती कराया हालांकि काफी देर चले उपचार के बाद महिला की हालत में सुधार हुआ तो परिजन वापस घर ले गए इस मामले में महिला के पति मनोज कुमार ने बताया कि उसकी पत्नी सीमा देवी खेतों में चारा काटने गई थी तभी हाथ में सर्प ने डस लिया हालत बिगड़ी तो इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया

वित करंट लगने से युवक की मौत

धाता, फतेहपुर। थाना क्षेत्र के देवरी मनपुरवा गांव में शनिवार को बिजली का करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मुहम्मद अली उम्र करीब (28) पिता इस्तयाक अली शनिवार की शाम को घर पर प्लक लगाते वक्त कही तार कटी थी वहीं बिजली के करंट की चपेट में आ गया। सूचना पाकर घर वाले घटना स्थल पर पहुंचे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉ. ने युवक को मृत घोषित कर दिया। युवक मनरेगा मे कार्य करके जीवन यापन करता था वही धाता थाना अध्यक्ष विरेंद्र सिंह मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत की खबर जैसे ही परिवार के लोगों को मिली तो परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिये निर्देश

तटबंध की पेट्रोलिंग सुनिश्चित करें ताकि बांधों में कटान की स्थिति पर निगरानी रखी जा सके

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री अनिल राजभर ने आज यहां लोकभवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि तटबंध की निरन्तर पेट्रोलिंग कराया जाना सुनिश्चित करें ताकि बांधों में कटान की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा सके। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने समस्त जिलाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि बाढ़ से कृषि फसलों को हुई क्षति का सर्वे तत्काल करा लिया जाय तथा जिन कृषकों की फसलें बाढ़ के कारण नष्ट हुई हैं उनको शीघ्र कृषि निवेश अनुदान प्रदान किया जाय। श्री राजभर ने बाढ़ की स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि प्रदेश में वर्तमान में सभी तटबंध सुरक्षित है। बाढ़ के संबंध में निरन्तर अनुश्रवण का कार्य किया जा रहा है। कहीं भी किसी प्रकार की चिंताजनक परिस्थिति नहीं है। प्रदेश के बाढ़ प्रभावित जनपदों में सर्च एवं रेस्क्यू हेतु एन0डी0आर0एफ0 की 12 टीमें तथा एस0डी0आर0एफ0 व पी0ए0सी0 की 17 टीमें इस प्रकार कुल 29 टीमें तैनाती की गयी है। 591 नावें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगायी गयी है। बाढ़,अतिवृष्टि की आपदा से निपटने हेतु बचाव व राहत प्रबन्धन के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये जा चुके है। अनिल राजभर ने बताया कि बाढ़ पीड़ित परिवारों को खाद्यान्न किट का वितरण कराया जा रहा है। इस किट में 17 प्रकार की सामग्री जिसमें 10 किलो आटा, 10 किलो चावल, 10 किलो आलू, 05 किलो लाई, 02 किलो भूना चना, 02 किलो अरहर की दाल, 500 ग्रा0 नमक, 250 ग्रा0 हल्दी, 250 ग्रा0 मिर्च, 250 ग्रा0 धनिया, 05 ली0 केरोसिन, 01 पैकेट मोमबत्ती, 01 पैकेट माचिस, 10 पैकेट बिस्कुट, 01 ली0 रिफाइन्ड तेल, 100 टेबलेट क्लोरीन एवं 02 नहाने के साबुन वितरित किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि अब तक राहत सामग्री के अन्तर्गत 1,74,630 खाद्यान्न किट व 3,17,008 मी0 तिरपाल का वितरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि 350 मेडिकल टीम लगायी गयी है। अनिल राजभर ने बताया कि बाढ की आपदा से निपटने के लिए प्रदेश में 373 बाढ़ शरणालय तथा 784 बाढ़ चौकियां स्थापित की गयी है। वर्तमान में प्रदेश के 16 जनपद (अम्बेडकरनगर, अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, देवरिया, फर्रूखाबाद, गोण्डा, गोरखपुर, कुशीनगर, लखीमपुरखीरी, मऊ, सीतापुर तथा संत कबीर नगर) के 792 गांवों बाढ़ से प्रभावित है। शारदा नदी, पलिया कला (लखीमपुरखीरी), सरयू (घाघरा) नदी (अयोध्या) तथा तुर्तीपार (बलिया), सरयू (घाघरा) नदी एल्गिनब्रिज बाराबंकी में अपने खतरे के जलस्तर से ऊपर बह रही है। प्रदेश में 487 पशु शिविर स्थापित किये गये है तथा 7,18,555 पशुओं का टीकाकरण भी किया गया हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अब तक कुल 4,652 कुंतल भूसा वितरित किया गया है। आपदा से निपटने के लिए जनपद एवं राज्य स्तर पर आपदा नियंत्रण केन्द्र की स्थापना की गयी है। उन्होंने कहा कि किसी को भी बाढ़ या अन्य आपदा के संबंध में कोई भी समस्या होती है तो वह जनपदीय आपदा नियंत्रण केन्द्र या राज्य स्तरीय कंट्रोल हेल्प लाइन नं0-1070 पर फोन कर सम्पर्क कर सकता है।

अवध क्षेत्र कार्यालय पर नवनियुक्त अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

लखनऊ, संवाददाता। आज भारतीय जनता पार्टी अवध क्षेत्र कार्यालय पर अवध क्षेत्र के नवनियुक्त अध्यक्ष शेष नारायण मिश्र का समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष शेष नारायण मिश्र ने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान ही सबसे महत्वपूर्ण है और कार्यकर्ता ही भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी है। कोरोना काल में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आम जनमानस की सेवा कर इसे सिद्ध भी किया और अन्य दलों के लिए एक मिसाल भी कायम की उन्होंने यह भी कहा कि कार्यकर्ताओं को साथ लेकर 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का भारी परचम लहरायेंगे। अपने मनोनयन पर क्षेत्रीय अध्यक्ष शेष नारायण मिश्र ने केन्द्रीय व प्रदेश नेतृत्व के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त की ।निवर्तमान क्षेत्रीय अध्यक्ष,कैण्ट विधायक सुरेश चन्द्र तिवारी ने कहा कि जिस तरह आप सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अपनी अथक लगन एवं परिश्रम से अवध क्षेत्र को श्रेष्ठ व अग्रणी बनाया उससे भी और अधिक अवध क्षेत्र को आगे ले जाने का कार्य आप सभी नव नियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष शेष नारायण मिश्र के नेतृत्व में करेंगे। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष ध्कैण्ट विधायक सुरेश चन्द्र तिवारी ने नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष शेष नारायण मिश्र का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत भी किया। क्षेत्रीय महामंत्री संगठन प्रद्युम्न कुमार ने कहा कि आप सब कार्यकर्ताओं का जोश यह दर्शाता है कि अवध क्षेत्र अपनी बुलंदियों पर कायम रहेगा। क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी राजेश मिश्रा ''डाक्टर'' ने बताया कि उक्त अवसर पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डा0 श्वेता सिंह, क्षेत्रीय मंत्री त्रयम्बक तिवारी, जितेन्द्र सिंह, उन्नाव व लखीमपुर जिलाध्यक्ष राजकिशोर रावत व सुनील सिंह, लखनऊ जिलाध्यक्ष श्रीकृष्ण लोधी, विनोद शुक्ला, पियूष मिश्रा, संजय शुक्ला, विक्रम सिंह सिकरवार, सरोज सिंह, विनोद सिंह, अनुराग मिश्रा, पवन शुक्ला, नंदलाल मुख्य रूप उपस्थित रहे।

किशोरी समेत दो ने जहर खाकर दी जान

जाफरगंज, फतेहपुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिन्दौर गांव में दो अलग घटनाओं में घरेलू कलह के चलते डाई पीकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मिली जानकारी के अनुसार कल रात को तेजावती 20 वर्ष पत्नी सुशील निषाद ने कल शाम को जहरीला पदार्थ खा लिया परिजनों ने आनन फानन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी ले गए जहाँ डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहाँ पर तेजवती की उपचार के दौरान मौत हो गयी मृतक की 06 महीने की बच्ची है। वही आज सुबह इसी गांव की गुड़िया 17 वर्ष पुत्री बासदेव ने डाई पीकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। दोनों परिवार में कोहराम मच गया परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल देखा गया।

खाना बनाते युवती झुलसी

फतेहपुर,। खागा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम टेनी में शनिवार की सुबह संदिग्ध अवस्था में खाना बनाते समय एक लगभग बीस वर्षीय युवती बुरी तरह झुलस गयी। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत चिन्ताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार टेनी गांव निवासी राधेशरण की पत्नी पिंकी देवी आज सुबह खाना बना रही थी। तभी संदिग्ध अवस्था में उसके कपड़ों में आग लग गयी। जिससे वह गम्भीर रूप से झुलस गयी। शोर शराबा सुनकर परिजनों ने मौके पर पहुंचकर युवती के शरीर में लगी आग को जल्दी-जल्दी बुझाया और आनन-फानन सरकारी एम्बुलेन्स द्वारा उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती करा दिया। जहां वह जिन्दगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है।

जेईई-नीट परीक्षाओं को स्थगित करने की छात्रों की मांग का युवा मंच ने किया समर्थन

लखनऊ, संवाददाता। जेईई-नीट एवं यूनिवर्सिटी-कालेज सहित सभी परीक्षाओं को स्थगित करने की छात्रों की मांग का युवा मंच ने समर्थन किया है। युवा मंच संयोजक राजेश सचान ने कहा कि हालात सामान्य होने अथवा वैक्सीन आने के बाद इन परीक्षाओं को आयोजित कराया जाना चाहिए, इसके अलावा यूनिवर्सिटी-कालेज में सभी छात्रों को बिना परीक्षा किया जाये प्रमोट की मांग भी उचित है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा छात्रों के हितों के नाम पर इन परीक्षाओं के आयोजन को उचित ठहराने का तर्क बेबुनियाद व आधारहीन है।अभी देश में संक्रमण के हालात बदतर ही हो रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ तक भारत में और ज्यादा हालात खराब होने की चेतावनी दे रहे हैं। अपेक्षाकृत कम जांच के बावजूद 34 लाख के ऊपर संक्रमितों की संख्या पहुंच चुकी है और भारत दुनिया में संक्रमित श्रेणी में तीसरे नम्बर पर आ गया है. अभी यह निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता है कि हम संक्रमण के मामले में पीक पर पहुंचे हैं कि अभी पीक आना बाकी है। भले ही सरकार यह तर्क दे कि इन परीक्षाओं को आयोजित कराने से संक्रमण का कोई खतरा नहीं है और पर्याप्त तैयारियां हैं, यह जमीनी हकीकत के एकदम विपरीत है। उत्तर प्रदेश की बीएड प्रवेश परीक्षा में सोशल डिस्टेंशिंग की कैसे धज्जियां उड़ीं इसे देखा जा चुका है। बीएड व बीईओ परीक्षाओं के आयोजन भी उत्तर प्रदेश में तेजी से संक्रमण में ईजाफा होने की एक प्रमुख वजह होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। जेईई-नीट परीक्षाओं में 24 लाख छात्र-छात्राओं का सैकड़ों-हजारों किमी दूर परीक्षा केंद्रों में पहुंचना और ठहरने का इंतजाम आदि में भारी कठिनाइयों का सामना करना होगा। बिहार, तेलंगाना जैसे राज्य भीषण बाढ़ का सामना कर रहे हैं. बड़े पैमाने पर छात्रों को निजी वाहनों का इस्तेमाल के लिए बाध्य होना पड़ेगा जोकि बेहद खर्चीला होगा। दरअसल सरकार की प्रमुख चिंता शिक्षण संस्थाओं में छात्रों का दाखिला सुनिश्चित कराने में है। दरअसल अगर सत्र और विलंब हुआ तो मौजूदा सत्र के बजाय नये सत्र में प्रवेश लेना छात्रों की पसंद होगी जिससे निजी शिक्षण संस्थाओं में जहां बेइंतहा फीस है वहां बड़े पैमाने पर सीटें खाली रह सकती हैं। छात्रों का देशव्यापी विरोध हो रहा है, 6 राज्य सरकारें सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पेटीशन में गई हैं, कई राज्य बाढ़ग्रस्त हैं, ऐसे में सरकार के पास इन परीक्षाओं के आयोजन का कोई वाजिब तर्क नहीं है।

दरअसल कारपोरेट पूंजी और शिक्षा व कोचिंग माफियाओं द्वारा संचालित निजी शिक्षण संस्थाओं के हितों के मद्देनजर ही लाखों छात्रों की जान जोखिम में डालकर इन परीक्षाओं के आयोजन के लिए केंद्र सरकार आमादा है। लाकडाऊन घोषित करने से लेकर अनलॉक दौर में सरकार द्वारा लगातार चाहें मजदूरों बेसहारा छोड़ देने का मामला हो अथवा स्वास्थ्य सेवाओं का लचर इंतजाम हो, भयावह बेकारी का सवाल हो, सरकार का रवैया बेहद गैरजिम्मेदाराना और जनविरोधी रहा है।

नन्हें-मुन्हें छात्रों की बाल सुलभ प्रतिभा का अद्भुद नजारा दिखा वर्चुअल किड्स बोनान्जा में

लखनऊ, संवाददाता। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, स्टेशन रोड कैम्पस द्वारा प्री-प्राइमरी एवं कक्षा-1 व 2 के नन्हें-मुन्हें छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को सामने लाने एवं उसे और अधिक विकसित करने के उद्देश्य से 13वें किड्स बोनान्जा का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस शानदार समारोह में लखनऊ के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयो के छात्रों ने एक से बढ़कर एक रोचक प्रतियोगिताओं में जोरदार भागीदारी कर अपनी बहुमुखी का लोहा मनवाया और दिखा दिया कि नन्हें हाथों में गजब की प्रतिभा भरी पड़ी है। इससे पहले, सी.एम.एस. संस्थापिका-निदेशिका व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. भारती गाँधी द्वारा 'किड्स बोनान्जा' का ऑनलाइन शुभारम्भ किया गया। 13वें अन्तर-विद्यालयी वर्चुअल किड्स बोनान्जा-2020 में नन्हें-मुन्हें छात्रों की बाल सुलभ प्रतिभा का अद्भुद नजारा देखने को मिला। इस शानदार समारोह में लखनऊ के विभिन्न विद्यालयों से पधारे मान्टेसरी, नर्सरी, के.जी. एवं कक्षा-1 व 2 के छात्रों ने विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं जैसे वर्ल्ड ऑफड्रीम, हेल एण्ड हार्टी, फैन्टेसी लैण्ड, लीड द वे, इमैजिका, पर्लस ऑफ विजडम, स्टेप अप एवं एक्सप्रेशन्स आदि रोचक प्रतियोगिताओं में अपने हुनर व ज्ञान-विज्ञान का प्रदर्शन कर दिल जीत लिया। इन प्रतियोगिताओं में न्हें-मुन्हें बच्चों का उत्साह, लगन व इनकी प्रतिभा देखते ही बनती थी। इन रोचक प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत नन्हें-मुन्हें प्रतिभागी ने रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर अत्यन्त मनोहारी प्रस्तुतियां दी तथापि गीत-संगीत, अभिनय क्षमता, शारीरिक व मानसिक दक्षता के साथ ही नन्हें-मुन्हें बच्चों की तन्मयता व उत्साह देखते ही बनता था। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियों ने निर्णायकों की भूमिका निभाई तथापि समापन समारोह में नन्हें-मुन्हें मेधावियों को पुरष्कृत कर सम्मानित किया गया।वर्चुअल किड्स बोनान्जा में लखनऊ के 30 प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया, जिनमें लामार्टिनियर ब्वाएज स्कूल, लामार्टिनियर गर्ल्स स्कूल, स्ट्राबेरी फील्ड, हार्नर स्कूल, लखनऊ पब्लिक स्कूल, गुरूकुल एकेडमी, श्रीराम ग्लोबल स्कूल, मिलेनियम स्कूल, बिड़ला ओपेन माइंड्स, डेलही पब्लिक स्कूल, दर्शन एकेडमी, सिटी इण्टरनेशनल स्कूल, रेड हिल स्कूल एवं सिटी मोन्टेसरी स्कूल के विभिन्न कैम्पसों के छात्र शामिल थे। वर्चुअल किड्स बोनान्जा की संयोजिका एवं सी.एम.एस. स्टेशन रोड कैम्पस की प्रधानाचार्या वीरा हजेला ने समापन समारोह में बोलते हुए शिक्षा का उद्देश्य बालक के अंदर छिपी शक्तियों तथा क्षमताओं को विकसित करना है। छात्रों में भरी अपार ऊर्जा को रचनात्मक व सृजनात्मक दिशा देने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है और इसके लिए सी.एम.एस. हर संभव प्रयास कर रहा है।

अलग-अलग सड़क हादसों में पांच घायल

फतेहपुर,। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत हुए सड़क हादसों के दौरान महिला समेत पांच लोग घायल हो गये। जिन्हे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार हथगांव थाना क्षेत्र के कृपालपुर गांव निवासी रघुराज का 45 वर्षीय पुत्र हरिबाबू आज सुबह साइकिल से किसी काम से जा रहा था। जब वह बहेरा चौकी के समीप पहुंचा तभी विपरीत दिशा से आ रही चार पहिया वाहन ने उसे टक्कर मार दिया। जिससे वह घायल हो गया। इसी प्रकार जाफरगंज थाना क्षेत्र के तकिया समसपुर निवासी स्व. सज्जन की 50 वर्षीय पत्नी बपातन व नवाब खान का 34 वर्षीय पुत्र नफीस खां बाइक द्वारा किसी काम से जा रहे थे। तभी अज्ञात वाहन की टक्कर लग जाने से घायल हो गये। इसी प्रकार हुसैनगंज थाना क्षेत्र के अहेवा गांव निवासी रतीपाल का 35 वर्षीय पुत्र सर्वेश मार्ग दुर्घटना में घायल हो गया। जबकि थरियांव थाना क्षेत्र के देहुली गांव निवासी रामगोपाल का 45 वर्षीय पुत्र घनश्याम आज सुबह मोटर साइकिल से थरियांव आ रहा था। जैसे ही वह गांव से रोड पर पहुंचा तभी विपरीत दिशा से आ रहे वाहन ने उसे टक्कर मार दिया। जिससे वह घायल हो गया। उधर सूचना पाकर घटना स्थल पर पहुची सरकारी एम्बुलेन्स ने सभी घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया है।

28 पर शांतिभंग की कार्यवाही

फतेहपुर,। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत शनिवार की सुबह आधा दर्जन थानों की पुलिस ने क्षेत्र में आतंक व अशांति फैलाने वाले दो दर्जन से अधिक लोगों के विरूद्ध 151 के तहत कार्यवाही की है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार सदर कोतवाली प्रभारी सात, हुसैनगंज पांच, मलवां दो, बिन्दकी दो, बकेवर तीन, कल्याणपुर एक, ललौली सात तथा चांदपुर थानाध्यक्ष ने एक पर शांतिभंग के तहत कार्यवाही की है।

दो वांछित गिरफ्तार

फतेहपुर,। पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा के निर्देशन पर चलाये जा रहे धर पकड अभियान के तहत जनपद के दो थानों की पुलिस ने वांछित चल रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार जाफरगंज थानाध्यक्ष आज अपने हमराह सिपाहियों के साथ क्षेत्र में कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरूस्त रखने के उद्देश्य से गश्त कर रहे थे। तभी मुखबिर की सटीक सूचना पर वांछित चल रहा मोहनलाल उर्फ छुटकू पुत्र रामसजीवन निवासी भीष्मपुर को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार थरियांव थाने में तैनात उपनिरीक्षक राजीव कुमार सिंह ने गश्त करते हुए वांछित अभियुक्त मुकेश कुमार पुत्र कल्लू प्रसाद पासी निवासी सखियांव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनो के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही कर न्यायालय भेज दिया है।

शराब के साथ युवक गिरफ्तार

फतेहपुर,। खागा कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत शनिवार की सुबह गश्त करते हुए पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अवैध शराब के साथ युवक को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार खागा कोतवाली में तैनात उपनिरीक्षक अखिलेश कुमार सिंह आज सुबह अपने हमराह सिपाहियों के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। तभी मुखबिर की सूचना पर अमांव गांव निवासी ननका पासी पुत्र संकट को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से दस लीटर कच्ची शराब बरामद करते हुए उसके विरूद्ध 60 एक्ट आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही कर न्यायालय भेज दिया है।

प्रदेश में 53,360 कोरोना के मामले एक्टिव

अब तक 1,62,741 मरीज पूरी तरह से उपचारित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने आज यहां लोक भवन में प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश में एक दिन में कोविड-19 के 1 लाख 48 हजार से अधिक टेस्ट किए जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए टेस्टिंग क्षमता को शीघ्र बढ़ाकर 1 लाख 50 हजार टेस्ट प्रतिदिन किए जाने के निर्देश दिए हैं। श्री अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री जी 31 अगस्त, 2020 को चिकित्सा शिक्षा विभाग की नई टेस्टिंग लैब का शुभारम्भ करेंगे, जिससे कोविड-19 की टेस्टिंग क्षमता में और वृद्धि होगी। उन्होंने कहा है कि कोविड-19 के संक्रमण को नियंत्रित करने में टेस्टिंग की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए इस कार्य में वृद्धि के प्रयास लगातार जारी रखे जाएं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि कोविड प्रभावित लोगों को और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए समस्त जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी दिन में दो बार नियमित रूप से बैठक करें। सुबह की बैठक कोविड चिकित्सालय में तथा शाम की बैठक इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेण्टर में की जाए। उन्होंने सोशल डिस्टेंसिंग तथा मास्क के अनिवार्य उपयोग का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए हैं। श्री अवस्थी ने बताया कि नये मेडिकल उपकरणों को शीघ्र क्रियाशील किया जाय उनके सुचारु संचालन के लिए तकनीकी स्टाफ को प्रशिक्षित किए जाने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि एच0एफ0एन0सी0 (हाई फ्लो नेजल कैन्युला) मशीन को संचालित करने वालों को प्राथमिकता पर प्रशिक्षित किया जाए। उन्होंने कहा है कि होम

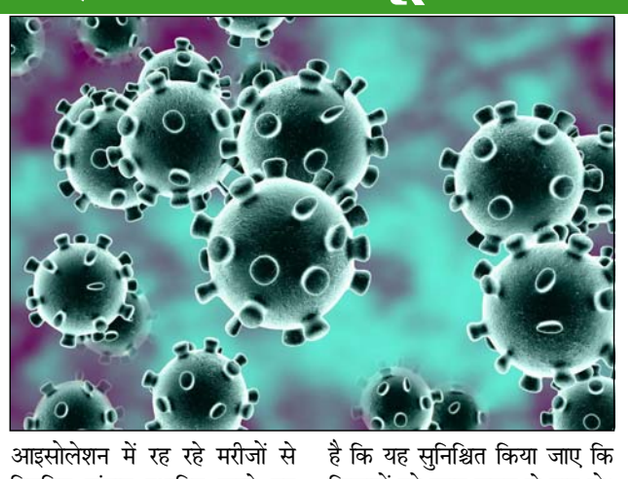

आइसोलेशन में रह रहे मरीजों से नियमित संवाद स्थापित करते हुए उनके स्वास्थ्य की जानकारी दिन में दो बार प्राप्त की जाए। इस कार्य में सी0एम0 हेल्पलाइन का भी उपयोग किया जाए। उन्होंने कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग, सर्विलांस तथा डोर-टू-डोर सर्वे कार्य को पूरी तेजी से संचालित करने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को खाद समय से प्राप्त हो। इस वर्ष खाद पिछले वर्ष से अधिक वितरित किया गया। उन्होंने खाद की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि एम0एस0एम0ई0 सेक्टर की नवीन इकाइयों तथा पूर्व स्थापित इकाइयों के सुदृढ़ीकरण के लिए बैंकों से समन्वय बनाकर अधिक से अधिक एम0एस0एम0ई0 इकाइयों के लिए ऋण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। श्री अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि समस्त मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अपने-अपने जनपद के गो-आश्रय स्थलों का नियमित निरीक्षण करें। उन्होंने कहा है कि गोवंश के लिए चारे आदि की अच्छी व्यवस्था के साथ ही, उनके स्वास्थ्य का परीक्षण भी किया जाए। पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इस कार्य की मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने एस0डी0एम0 तथा सी0ओ0 को न्याय पंचायत स्तर पर जनसुनवाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों को प्रभावित लोगों के लिए राहत कार्य पूरी गति से संचालित किए जाएं। बाढ़ प्रभावितों को राशन किट उपलब्ध कराया जाए तथा उनके लिए चिकित्सा की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बाढ़ से फसलों को हुई क्षति का सर्वे कराकर सभी प्रभावितों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि ग्राम प्रहरियों की तैनाती तथा फॉरेंसिक लैब्स की स्थापना की कार्य योजना तैयार हो गई है। श्री अवस्थी ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा की गयी कार्यवाही में अब तक धारा 188 के तहत 2,08,589 लोगों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गई। प्रदेश में अब तक 1,37,90,683 वाहनों की सघन चेकिंग में 70,040 वाहन सीज किये गये। चेकिंग अभियान के दौरान 70,85,01,259 रूपए का शमन शुल्क वसूल किया गया।

भाजपा प्रत्याशी सैयद जफर इस्लाम का नामांकन पत्र दाखिल

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सीट के उपचुनाव के लिए शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी सैयद जफर इस्लाम का नामांकन पत्र दाखिल किया गया। विधानसभा स्थित पुरुषोत्तम दास टंडन हॉल में वित्त,चिकित्सा शिक्षा एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने श्री इस्लाम की ओर से चुनाव अधिकारी एवं विशेष सचिव विधान सभा बृजभूषण दुबे के सामने नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। श्री इस्लाम का कोविड-19 पॉजिटिव होने के कारण इलाज चल रहा है।

ऐशबाग ईदगाह के पेश इमाम खालिद रशीद फिरंगी महली व टीले वाली मस्जिद के पेश इमाम को वली मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वली मोहम्मद जी ने बनाया इनको बीजेपी का दलाल चप्पलों से पीटकर जलाया इनका पुतला मोहर्रम को लेकर

रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल में फूटा कोरोना बम-पांच पॉजिटिव

डर और भय के बाद भी डटे है आरएलबी के कोरोना योद्धा: चिकित्सा अधीक्षक

लखनऊ, संवाददाता। लोगों का इलाज करने वाले अस्पताल और कोरोना योद्धा लगातार कोरोना चपेट में आ रहे है। ताजा मामला राजाजीपुरम् व आस-पास के इलाकों के इकलौते रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त राजकीय चिकित्सालय का है। जहां एक साथ पांच कोरोना पॉजिटिव पाये गये है। कोविड-19 प्रोटोकाल के चलते मजबूरी में अस्पताल को अड़तालिस घण्टों के लिये बन्द कर दिया गया है। साथ ही पूरे अस्पताल परिसर को सैनिटाइज कराया जा रहा है।

आरएलबी के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से प्राप्त जानकारी के अनुसार अस्पताल के आर्थोपैडिक सर्जन, स्टाफ नर्स दो एएनसी मेन्टिनेंस विभाग से तथा एक सर्जरी के लिये भर्ती मरीज कोरोना पॉजिटिव पाये गये है। इनको होम आइसोलेशन में भेजा गया है। एक साथ पॉच पॉजिटिव केस मिलने पर अस्पताल में हड़कम्प मचा हुआ है। बाबजूद इसके अस्पताल के कोरोना योद्धाओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आयी हैं। डा0 आर्या के अनुसार भले ही अस्पताल को बाहरी मरीजों के लिये अड़तालिस घण्टों के लिये बंद कर दिया गया हो परन्तु जो पहले से भर्ती है उनका इलाज पहले की भॉति यथावत चल रहा है। आस-पास के क्षेत्र के लिये मात्र एक ही अस्पताल होने के कारण यहां प्रतिदिन आने वाली भारी भीड़ से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करवाना एक बड़ी समस्या है। आये दिन यहां मरीजों और स्टाफ से गाली-गलौज होना आम बात है। अस्पताल के गार्ड और वार्ड ब्याय भीड़ को कंट्रोल नही कर पा रहे है। लोगों का कहना है कि यहां कोरोना बम फूटने का एक कारण यह भीड़ भी है। इसको थोड़ा नियन्त्रित करने के लिये पुलिस कर्मियों का होना आवश्यक है। चिकित्सा अधीक्षक के अनुसार यहां प्रतिदिन तीस तक कोरोना एन्टीजेन टेस्टिंग होती है। उसके लिये भी लोग दूर दराज के इलाको से आते है। टेस्टिंग किट खत्म हो जाने से पिछले तीन दिनों से एन्टीजेन टेस्टिंग नहीं हो रही है। उन्होने संबंधित अधिकारियों को अवगत करा दिया है जल्द ही टेस्टिंग सुविधा पुनः शुरू हो जायेगी।

योगी ने प्रदेश में टेस्टिंग क्षमता को शीघ्र बढ़ाकर 1 लाख 50 हजार टेस्ट प्रतिदिन करने के दिए निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में एक दिन में कोविड-19 के 1 लाख 48 हजार से अधिक टेस्ट किए जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए टेस्टिंग क्षमता को शीघ्र बढ़ाकर 1 लाख 50 हजार टेस्ट प्रतिदिन किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण को नियंत्रित करने में टेस्टिंग की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए इस कार्य में वृद्धि के प्रयास लगातार जारी रखे जाएं। मुख्यमंत्री आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि कोविड प्रभावित लोगों को और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए समस्त जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी दिन में दो बार नियमित रूप से बैठक करें। सुबह की बैठक कोविड चिकित्सालय में तथा शाम की बैठक इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेण्टर में की जाए। उन्होंने सोशल डिस्टेंसिंग तथा मास्क के अनिवार्य उपयोग का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए। मेडिकल उपकरणों के सुचारु संचालन के लिए तकनीकी स्टाफ को प्रशिक्षित किए जाने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एच0एफ0एन0सी0 (हाई फ्लो नेजल कैन्युला) मशीन को संचालित करने वालों को प्राथमिकता पर प्रशिक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों से नियमित संवाद स्थापित करते हुए उनके स्वास्थ्य की जानकारी प्राप्त की जाए। इस कार्य में सी0एम0 हेल्पलाइन का भी उपयोग किया जाए। उन्होंने कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग,

सर्विलांस तथा डोर-टू-डोर सर्वे कार्य को पूरी तेजी से संचालित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को खाद बिना दिक्कत के मिले। उन्होंने खाद की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि एम0एस0एम0ई0 सेक्टर की नवीन इकाइयों तथा पूर्व स्थापित इकाइयों के सुदृढ़ीकरण के लिए बैंकों से समन्वय बनाकर अधिक से अधिक एम0एस0एम0ई0 इकाइयों के लिए ऋण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि समस्त मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अपने-अपने जनपद के गो-आश्रय स्थलों का निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि गोवंश के लिए चारे आदि की अच्छी व्यवस्था के साथ ही, उनके स्वास्थ्य का परीक्षण भी किया जाए। पशुपालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इस कार्य की मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने न्याय पंचायत स्तर पर जनसुनवाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों को प्रभावित लोगों के लिए राहत कार्य पूरी गति से संचालित किए जाएं। उन्होंने बाढ़ से फसलों को हुई क्षति का सर्वे कराकर सभी प्रभावितों को शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि ग्राम प्रहरियों की तैनाती तथा फॉरेंसिक लैब्स की स्थापना की कार्य योजना तैयार हो गई है। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, मुख्य सचिव आर0के0 तिवारी, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ0 रजनीश दुबे, अपर मुख्य सचिव ग्राम्य विकास तथा पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव पशुपालन भुवनेश कुमार, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

वामन देव के आशीर्वाद से सभी को दैहिक दैविक और भौतिक तापों से मुक्ति प्राप्त हो

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य ने भगवान विष्णु के वामदेव अवतरण पर्व 'भाद्रपद शुक्ल द्वादशीश् पर बधाई देते हुए कहा कि श्रीहरि सभी के जीवन को सद्भाव और सम्मति के प्रकाश से आलोकित करें। योगी ने शनिवार को ट्वीटकर कहा ''छत्र, पलाश, दंड व कमंडल को धारण करने वाले 'भगवान वामन देव का अवतरण पर्व 'भाद्रपद शुक्ल द्वादशी समस्त भक्तजनों के जीवन को सद्भाव और सम्मति के प्रकाश से आलोकित करें। वामन देव के आशीर्वाद से सभी को दैहिक, दैविक और भौतिक तापों से मुक्ति प्राप्त हो। उनके श्रीचरणों में सादर प्रणाम।

योगी सरकार में औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना भी कोरोना संक्रमित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रियों के कोरोना संक्रमण की चपेट में आने का सिलसिला जारी है। अब औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना कोरोना पाजीटिव पाए गए हैं। मंत्री ने शनिवार को ट्वीट कर खुद के संक्रमित होने की जानकारी दी। उन्होने कहा '' कोविड के प्रारम्भिक लक्षण दिखने पर कल मैंने टेस्ट करवाया जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मेरा निवेदन है कि आप में से जो भी लोग गत कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आयें हैं, कृपया अपनी जाँच करवा लें। गौरतलब है कि महाना योगी सरकार के 13वें मंत्री हैं जो कोरोना की चपेट में आये हैं। इससे पहले एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, पंचायती राज मंत्री भूपेन्द्र सिंह, एमएसएमई राज्यमंत्री चौधरी उदयभान सिंह, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री अतुल गर्ग, स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, ग्राम्य विकास मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फमोती सिंह, विधि एवं न्याय मंत्री ब्रजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह, आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धरम सिंह सैनी, खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उपेंद्र तिवारी और श्रम निर्माण एवं परामर्शदात्री समिति के अध्यक्ष ठाकुर रघुराज सिंह के अलावा होमगार्ड मंत्री चेतन चौहान और प्राविधिक शिक्षा मंत्री कमलरानी वरूण कोरोना की गिरफ्त में आ चुके हैं।

विश्व हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को उनकी जयंती पर नमनः योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर विश्व हॉकी के सार्वकालिक महान खिलाड़ी, पद्म भूषण 'मेजर ध्यानचंद जीश् को उनकी जयंती पर कृतज्ञतापूर्ण नमन करते हुए कहा कि आपकी खेल प्रतिभा, आपकी राष्ट्रभक्ति भारतीयों के लिए प्रेरणास्पद है। योगी ने शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस एवं मेजर ध्यानचंद की जयंती पर ट्वीटकर कहा '' वैश्विक खेल जगत में भारतीय स्वाभिमान के प्रतीक, हॉकी स्पर्धा के विभिन्न विश्व विजयी अभियानों के शिल्पकार, विश्व हॉकी के सार्वकालिक महान खिलाड़ी, पद्म भूषण 'मेजर ध्यानचंद जी को उनकी जयंती पर कृतज्ञतापूर्ण नमन। आपकी खेल प्रतिभा, आपकी राष्ट्रभक्ति भारतीयों के लिए प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा ''हॉकी के जादूगर पद्म भूषण मेजर ध्यानचंद जी की गौरवपूर्ण स्मृति को समर्पित 'राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेल की विभिन्न विधाओं में वैश्विक मंचों पर भारत की गरिमा वृद्धि करने वाले सभी खिलाड़ियों के प्रति सादर कृतज्ञता ज्ञापन। नवोदित खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं। गौरतलब है कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की आज जयंती है। दुनिया में हॉकी को पहचान दिलाने वाले ध्यानचंद का नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज है। ध्यानचंद को लोग प्यार से दद्दा कहकर संबोधित करते थे। ध्यानचंद की जयंती पर ''राष्ट्रीय खेल दिवसश्श् मनाया जाता है। पद्म भूषण ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त 1905 को इलाहाबाद शहर में हुआ था। ध्यानचंद की गिनती विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में होती है। मेजर ध्यानचंद ने भारत को ओलंपिक में 3 स्वर्ण पदक दिलवाए थे। उन्होंने एम्सटडर्म में हुए ओलंपिक खेलों में भारत की ओर से सबसे ज्यादा 14 गोल किए थे। उन्होंने भारत को तीन ओलंपिक खेलों में गोल्ड दिलाया था। ध्यानचंद ने अपने हॉकी करियर में 1000 से अधिक गोल किए थे।

लखनऊ में दूसरे दिन भी तेज रफ्तार का कहर जारी

डीसीएम डिवाइडर से टकरा कर पलटी, चालक की मौत

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी में तेज रफ्तार का कहर शनिवार को भी जारी रहा। चिनहट नहर के पास तड़के तेज रफ्तार डीसीएम डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। दरअसल, फैजाबाद से लखनऊ की ओर आ रहा एक डीसीएम शनिवार तड़के डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे में चालक फैजाबाद मवई निवासी चालक रमेश गुप्ता (35) की डीसीएम के नीचे दबकर मौत हो गई। डीसीएम में भूसी लदी थी। इंस्पेक्टर चिनहट ने बताया ने बताया कि। घटना तड़के करीब पांच बजे हुई है। डीसीएम से बरामद आधार कार्ड से चालक की शिनाख्त हुई। उसके परिवारीजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। डीसीएम को क्रेन से उठाकर हटवा दिया गया है ताकि यातायात बाधित न हो। बता दें, बीते दिन शुक्रवार को राजधानी में तेज रफ्तार के कहर में अलग-अलग

हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा, सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक पर निकले जिला न्यायालय में कार्यरत अपर शासकीय अधिवक्ता शीतला प्रसाद रावत व उनकी पत्नी को तेज रफ्तार कार सवार ने ठोकर मार दिया। हादसे में दंपती की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद कार सवार युवक मौके से फरार हो गया। वहीं, दूसरी घटना पीजीआइ थाना क्षेत्र उतरेठिया रायबरेली रोड की है। यहां भी एक अनियंत्रित कार ने सड़क किनारे काम कर रहे मजदूरों को रौंद दिया। इसमें एक की मौत हो गई। तीसरा हादसा, शहीद पथ पुलिस मुख्यालय के पास हुआ। यहां शुक्रवार शाम एक महिलास सड़क पार कर रही थी। उसी समय अज्ञात वाहन की टक्कर से वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। लोहिया अस्पताल में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया।

लखनऊ-अयोध्या राजमार्ग पर रोडवेज बस और बुलेरो में टक्कर

लखनऊ-अयोध्या राजमार्ग पर देर रात लखनऊ की ओर जा रही बुलेरो की टक्कर रोडवेज बस से हो गई। हादसे में कार के परखचे उड़ गए। वाहन चालक की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी हालत नाजुक होने पर शनिवार को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। दरअसल, शुक्रवार को किसी काम से सिंचाई विभाग लखनऊ कार्यालय से बुलेरो अंबेडकरनगर से लखनऊ के लिए रवाना हुई।

योगी सरकार ने 6 आईपीएस अधिकारियों के किए तबादले, पीवी रामाशास्त्री का प्रमोशन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के छह अधिकारियों का तबादला कर दिया। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि अपर पुलिस महानिदेशक सतकर्ता अधिष्ठान पीवी रामाशास्त्री को प्रोन्नत के बाद पुलिस महानिदेशक.निदेशक सतकर्ता अधिष्ठान बनाया गया है। वह एक सितम्बर को डीजी का प्रभार संभालेंगे। पुलिस महानिदेशक,कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें आनंद कुमार एक सितम्बर से मौजूदा पद पर रहते हुये पुलिस महानिदेशक नागरिक सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। उन्होंने बताया कि अपर पुलिस महानिदेशक.पुलिस महानिरीक्षक पीएसी मध्य जोन लखनऊ राम कुमार का तबादला अपर पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम के पद पर किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि आजमगढ़ के अपर पुलिस अधीक्षक इलामारन जी को अपर पुलिस उपायुक्त बनाकर गौतमबुद्धनगर भेजा गया हैं वहीं बुलंदशहर के अपर पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी का ट्रांसफर अपर पुलिस उपायुक्त लखनऊ के पद पर किया गया है। इसके अलावा अपर पुलिस अधीक्षक वाराणसी मोहम्मद मुश्ताक को अपर पुलिस अधीक्षक रेलवे के पद पर आगरा जाने को कहा गया है।

पूर्व क्रिकेटर स्व. चेतन चौहान के नाम से राज्य की एक प्रमुख सड़क का होगा नामकरणः केशव मौर्य

लखनऊ, संवाददाता। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पद्मभूषण मेजर ध्यानचंद विजय पथ योजना की शुरूवात की है। उन्होंने ने प्रदेश में 19 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के गांव-घर तक जाने वाली सड़कों को बनाने का वर्चुअल शिलान्यास किया। केशव प्रसाद मौर्य ने घोषणा की कि पूर्व क्रिकेटर स्व. चेतन चौहान के नाम से भी राज्य की एक प्रमुख सड़क का नामकरण किया जाएगा। मौर्य ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है।

स्लैब में परिवर्तन कर बिजली दरों में बढ़ोत्तरी के प्रयासों पर वर्कर्स फ्रंट ने जताई नाराजगी

कारपोरेट बिजली कंपनियों की मुनाफाखोरी व लूट के चलते ही मंहगी दरों पर मिल रही है बिजली

लखनऊ, संवाददाता। स्लैब में बदलाव कर उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त भार डालने की योगी सरकार की कवायद पर वर्कर्स फ्रंट ने नाराजगी जताते हुए कड़ा एतराज जताया है। वर्कर्स फ्रंट के प्रदेश उपाध्यक्ष इंजीनियर दुर्गा प्रसाद ने कहा कि पब्लिक सेक्टर की राज्य व केंद्रीय परियोजनाओं से बेहद सस्ती बिजली मिल रही है। लेकिन कारपोरेट बिजली उत्पादन कंपनियों से लागत के सापेक्ष मंहगी दरों पर बिजली खरीदने से ही उपभोक्ताओं को पहले ही बेहद मंहगी दर से बिजली मिल रही है और बिजली बोर्डों को भारी घाटा भी उठाना पड़ा है। दरअसल कारपोरेट बिजली उत्पादन कंपनियों की मुनाफाखोरी व लूट को सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने उनसे महंगी बिजली खरीद के समझौते किये हैं। पब्लिक सेक्टर की परियोजनाओं की उपेक्षा

करके उन्हें बर्बाद किया जा रहा है जबकि सरकार कारपोरेट बिजली कंपनियों को सस्ते दर से जमीन, लोन से लेकर तमाम सुविधाएं दे रही है। इसी नीति के तहत संपूर्ण बिजली महकमे के इंफ्रास्ट्रक्चर को कारपोरेट घरानों के हवाले करने की नीति ली जा रही है। कारपोरेट बिजली कंपनियों का एकाधिकार होने के बाद बिजली की दरों में और ज्यादा इजाफा होगा। इसलिए बिजली की दरों में बढ़ोतरी और निजीकरण के खिलाफ संघर्ष एक दूसरे के पूरक हैं और आम जनता को बिजली की दरों में बढ़ोतरी सहित पब्लिक सेक्टर के किये जा रहे अंधाधुंध निजीकरण का विरोध राष्ट्रहित में है। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक निजी कंपनी द्वारा प्रदेश भर में लगाये गए स्मार्ट मीटर के मामले में अनियमितता के संबंध में मीडिया में जो कुछ उजागर हुआ है उससे इसकी निविदा प्रक्रिया में उच्च स्तर पर हुए घोटाले की आशंका जताई जा रही है। सरकार के ऊर्जा मंत्री तक को स्मार्ट मीटर पर रोक लगानी पड़ी जो प्रमाणित निजीकरण के प्रयोग की विफलता का सबसे ज्वलंत उदाहरण है. इसके पहले भी अरबों के पीएफ घोटाले में कर्मचारियों की अरबों जमा पूंजी डूब चुकी है। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रस्तावित निजीकरण सहित बिजली महकमे के निजीकरण की प्रक्रिया से किसानों व गरीबों सहित आम जनता को बेहद महंगी बिजली मिलेगी जिससे गिरती अर्थव्यवस्था व महंगाई से परेशान आम जनता की समस्या और भी विकराल होने की आशंका है।

मुख्यमंत्री ने पुलवामा में शहीद हुए मुजफ्फरनगर के सेना के जवान प्रशान्त शर्मा को श्रद्धांजलि दी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में आतंकवादियों से मुठभेड़ में शहीद हुए जनपद मुजफ्फरनगर निवासी सेना के जवान प्रशान्त शर्मा के शौर्य और वीरता को नमन करते हुए उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री ने शहीद के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। उन्होंने परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने तथा जनपद की एक सड़क का नामकरण शहीद के नाम पर करने की भी घोषणा की है।मुख्यमंत्री ने कहा है कि राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीद के सर्वोच्च बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने शहीद प्रशान्त शर्मा के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ है। उन्होंने कहा कि शहीद के परिवार को हर संभव मदद प्रदान की जायेगी।

बाजारखाला में लॉकडाउन का दुकानदार कर रहे उल्लंघन, संक्रमण का खतरा

लॉकडाउन पालन कराने के लिए सड़कों पर उतरे अधिकारी

लखनऊ, संवाददाता। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार पर नियंत्रण करने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार हर शनिवार और रविवार को प्रदेश को बंद रखने का फैसले किया है। जिसमें प्रदेश के सभी बाजारों की साप्ताहिक बंदी रहेगी। यूपी में प्रत्येक शनिवार तथा रविवार को स्वच्छता, सेनिटाइजेशन एवं फॉगिंग का विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

इन कार्यों से जहां कोरोना की चेन को तोड़ने में मदद मिल रही है। इसी कड़ी में राजधानी लखनऊ में शनिवार सुबह से लॉकडाउन का शख्ती से पालन कराने के लिए मुख्यमंत्रा योगी आदित्यनाथ के आदेशानुसार लखनऊ के आला अधिकारी राजधानी के सड़कों पर निकल कर चेकिंग अभियान चलाकर शहर के हर चौराहों का जायजा लेते रहे। जहां एक दूसरे क्षेत्र के आला अधिकारी लॉकडाउन का शख्ती से पालन कराने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। वहीं बाजार खाला थाना प्रभारी अपने क्षेत्र की दुकानें नहीं बंद करवा पा रहे हैं। शहर के अन्य क्षेत्रों में सुबह से खुलने वाले बाजार में सामाजिक दूरी का पालन कराने के लिए सख्ती बरती जा रही है। शनिवार को सुबह आला अधिकारियों ने शहर में भ्रमण किया और सब्जी मंडी, दवा की दुकानें तथा बैंकों के बाहर लोगों से सामाजिक दूरी का पालन करने की हिदायत दी। अधिकारियों ने मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों को लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने तथा लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। इधर साप्ताहिक लॉकडाउन के समय बाजारखाला इलाके के थाना प्रभारी ब्रजेन्द्र सिंह अब नियमों का पालन कराने में ढीले पड़ने लगे है। थाना प्रभारी अपने क्षेत्र में दुकानें नहीं बंद करवा पा रहे हैं। जिस कारण लोगों में कोरोना संक्रमण का भय सताने लगा है। बाजारखाला टुडियागंज बाजार सहित बिल्लौचपुरा पर लोगों की भीड़ इसका गवाह बना हुआ है।वहीं मिल एरिया पुलिस चौकी के निकट शराब दूकान के आसपास भी छोटे दुकनदार अपनी दुकाने चलते दिखे, इसी क्षेत्र के मोतीझील कालोनी में भी सभी दुकाने पूरी तरह खुली दिखी, यही हाल टिकैतगंज पुलिस चौकी व खजुआ का भी दिखा, यहाँ भी अधिकतम गलियों और मोहल्लों में जमकर समोसा, जलेबी, भटूरे रोज की भांति छनते दिखे, बिल्लौचपुरा चौराहे पर लॉकडाउन का पालन कराने के बजाए पुलिसकर्मी केवल एक छुटभैय्ये नेता की दुकान पर मुख दर्शक बनकर सिनेमा देख रहे है।

लैटर बम और कांग्रेस की दुविधा

तेईस वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं की कांग्रेस के हालात पर चिंता जताने और एक हद तक गांधी-नेहरू परिवार के मौजूदा नेतृत्व पर सवाल भी उठाने वाली सामूहिक चिटठी, जिसे मीडिया में आम तौर पर श्लैटर बमश् का नाम दिया गया था, व्यावहारिक मानों में सीला पटाखा साबित हुई लगती है। कथित बगावती चिटठी की पृष्ठभूमि में हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक तक और वास्तव में बैठक से पहले ही, खासतौर पर राहुल गांधी की इस चिटठी की टाइड्क्षमग पर तीखी प्रतिक्रिया की अफ्नाहोंध् अटकलों के बाद से ही, चिटठी पर दस्तखत करने वालों में वरिष्ठड्ड नेताओं के स्वर काफी नरम पड़ चुके थे। रही-सही कसर, जाहिर है कि कांग्रेस के मौजूदा शीर्ष नेतृत्व के परोक्ष समर्थन से, कार्यसमिति की बैठक में सदस्यों के बहुमत की, इस बगावत की निंदात्मक आलोचनाओं ने पूरी कर दी। आखिर में, जैसा कि होना ही था, सोनिया गांधी ने कोरोना के हालात सुधरते ही, अगले चार-छः महीने में ही, कांग्रेस के अधिवेशन में पूर्ण-अध्यक्ष चुने जाने तक, कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाले रहने का कार्यसमिति का आग्रह स्वीकार कर लिया। हां! इससे पहले, सोनिया गांधी ने यह जरूर कहा बताते हैं कि जो हो गया भूलकर, आगे बढ़ा जाना चाहिए। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद से पत्र लिखने वाले ज्यादातर नेता किसी न किसी रूप में यही दिखाने में लगे रहे हैं कि उनका उठाया मुद्दा हल भी हो चुका है और अब चिटठी का प्रसंग समाप्त हो चुका है। हां! वे घुमा-फिराकर इसकी याद दिलाना नहीं भूलते हैं कि उम्मीद की जानी चाहिए कि पार्टी के अंदर सवाल उठाने वालों को इसके लिए दंडित नहीं किया जाएगा। पत्र के हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक, उत्तर प्रदेश के जतिन प्रसाद के खिलाफ उनके अपने जिले की कांग्रेस कमेटी के कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन तथा महाराष्टड्ड तथा दूसरी जगहों से पत्र लिखने वालों के खिलाफऐसे ही बयानों से, दंडित किए जाने की आशंकाओं को बल ही मिला है। उधर, कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद, सोनिया गांधी द्वारा गठित की गयी कमेटियों में पत्र लेखकों में सबसे वरिष्ठ नेताओं को भी शामिल नहीं किए जाने से, कम से कम इतना संकेत तो मिल ही रहा है कि चिटठी प्रकरण को, कांग्रेस का मौजूदा नेतृत्व आसानी से भूलने नहीं जा रहा है। बेशक, खुद को वरिष्ठ मानने वाले लगभग दो दर्जन कांग्रेसी नेताओं की इस बगावत का विफ्ल होना, शुरूआत से ही तय था। जाहिर है कि इस विफ्लता के तय होने के पीछे एक बड़ा कारण यह है कि सब कुछ के बावजूद, कांग्रेस पार्टी नेहरू-गांधी परिवार के आभामंडल से पूरी तरह से बाहर जाने की बात सोच भी नहीं सकती है। यह सच्चाई, कांग्रेस पर सोनिया, राहुल और अब प्रियंका की भी संयुक्त पकड़ को, उनकी कांग्रेस पर हावी रहने की सचेत-अनजाने में की जातीं तमाम कोशिशों से कहीं ज्यादा बड़ा बना देती है। यह कोई संयोग ही नहीं था कि कथित बगावती चिटठी में पूर्णकालिक, सक्रिय, दिखाई देने वाले, निर्वाचित, सामूहिक नेतृत्व की मांग करने के बावजूद, अंतिम हिस्से में किसी भी कांग्रेस नेतृत्व से सोनिया-राहुल गांधी की अभिन्नता को रेखांकित किया गया था। साफ है कि चिटठी के सारे बगावती स्वर के बावजूद, इसका खास ख्याल रखा गया था कि नेतृत्व की वर्तमान कार्यशैली की आलोचना करते हुए भी, यह सोनिया-राहुल के नेतृत्व पर हमला नहीं दिखाई दे। लेकिन, एक हाथ पीछे बांधकर लड़ी जा रही ऐसी लड़ाई में, नेतृत्व द्वारा शिकायत सुन लिए जाने जैसी रियायत से ज्यादा किसी चीज की उम्मीद की भी कैसे जा सकती थी? बागियों के और जाहिर है कि कांग्रेस के भी दुर्भाग्य से, कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व इतनी उदारता भी दिखाता नजर नहीं आता है। यह असहमति के स्वरों को साथ रखकर, आलोचनाओं से सीखते हुए, आगे बढ़ने की संभावनाओं पर दरवाजा बंद किए जाने और वास्तव में असहमतों को परे धकेलने या अप्रासंगिक बनाने के जरिए, कांग्रेस का कुछ न कुछ नुकसान ही किए जाने का ही संकेत देता है।फिर भी इस बगावत का विफ्ल होना सिर्फ इसीलिए शुरू से तय नहीं था कि यह बिल्कुल ही नाबराबरी की लड़ाई थी और बगावती चिटठी लिखने वाले वास्तव में कांग्रेस के मौजूदा नेतृत्व को बदलने की कोई लड़ाई लड़ने के लिए तैयार ही नहीं थे। इससे भी बढ़कर, इस बगावत का विफ्ल होना शुरू से ही इसलिए भी तय था कि देश और कांग्रेस के भविष्य की चिंता की सारी बतकही के बावजूद, इसके पीछे कोई ऐसे वास्तविक मुद्दे थे ही नहीं, जो आम तौर पर देश तो दूर, कांग्रेस के प्रभाव में आने वाले लोगों को भी अपनी ओर खींच पाते।

यह कहने से हमारा आशय यह कतई नहीं है कि कांग्रेस के वर्तमान नेतृत्व की कार्यप्रणाली तथा कार्यशैली की उनकी आलोचनाओं में कोई तत्व नहीं था। बेशक, था। राहुल गांधी के आगे बढ़कर मोदी राज की निडर आलोचना पेश करने के बावजूद, सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी होने के नाते कांग्रेस, कोई कारगर या उल्लेखनीय प्रतिरोध खड़ा करने में अब तक नाकाम ही रही है, इससे कौन इंकार कर सकता है। लेकिन, इसके बावजूद इन नेताओं तथा उनकी बगावती चिटठी की नजर, मौजूदा कांग्रेसी नेतृत्व की कार्यशैली से आगे जाती ही नहीं है।यानी उनकी आलोचना सांगठनिक आलोचना के ही दायरे में बंद रहती है, जिसमें जाहिर है कि देश की ही नहीं, आम कांग्रेसियों की भी बहुत दिलचस्पी नहीं होगी। इस सांगठनिक आलोचना के दायरे में भी बागियों के कॉज में कई स्पष्ट अंतर्विरोध हैं। एक ओर जहां वे निर्वाचन तथा सामूहिक नेतृत्व की मांग करते हैं, वहीं दूसरी ओर एनएसयूआइ तथा यूथ कांग्रेस में विधिवत चुनाव कराने के राहुल गांधी के तजुर्बे के नतीजे में उभरकर आए नेताओं से, उतने ही चिंतित नजर आते हैं। यानी उन्हें चुनाव भी वहीं चाहिए, जहां नतीजे उनके अनुकूल हों, अन्यथा नहीं। यह बागियों की सीमित सांगठनिक लड़ाई को भी और कमजोर कर देता था। दूसरी ओर, कांग्रेस से जुड़े घटनाक्रम पर सरसरी तौर पर नजर रखने वाले भी अच्छी तरह से जानते हैं कि इस समय कांग्रेस की असली दुविधाएं, उसमें असली विभाजन, उसके सामने खड़े असली यक्ष प्रश्न, इन सांगठनिक समस्याओं से कहीं बहुत गहरे तथा बड़े हैं। सच्चाई यह है कि मोदी सरकार कार्पोरेटों और हिंदू राष्टड्ड के जिस गठजोड़ का प्रतिनिधित्व करती है, उसने इस देश में नवउदारवादी पूंजीवाद का रास्ता खोलने वाली और उसके चक्कर में नरम हिंदुत्व के रास्ते पर खिसकती रही कांग्रेस को भी, अब गहरी दुविधा में धकेल दिया है। इसी रास्ते पर चलते रहने की कोशिश में कांग्रेस, भाजपा का नरम चेहरा बनकर, बढ़ते पैमाने पर राजनीतिक-चुनावी रूप से आप्रासंगिक होती रह सकती है या फिर वह कम से कम सत्तर के दशक के पूर्वार्द्ध की श्गरीबी हटाओ-सांप्रदायिकता भगाओश् के दौर की कांग्रेस के रूप में, अपना पुनर्संस्कार कर सकती है। इस सिलसिले में एक बात और याद दिलाना अप्रासंगिक नहीं होगा। गुलाम नबी आजाद जैसे इक्का-दुक्का अपवादों को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश लैटर बम बागी, कांग्रेस की इस जीवन-मरण की दुविधा में, उसे भाजपा का नरम चेहरा बनाने साथ ही खड़े नजर आते हैं। चाहे जम्मू-कश्मीर का तोड़ा जाना तथा धारा-370 का खत्म किया जाना हो या अयोध्या में वहीं मंदिर बनाना या नागरिकता कानून में संशोधन या हिंदू राष्टड्ड के बढ़ते कदमों से जुड़े ऐसे दूसरे तमाम प्रश्न, इनमें से ज्यादातर नेता कांग्रेस के भाजपा के पीछे-पीछे घिसटते जाने के ही पक्षधर रहे हैं।यह विडंबनापूर्ण किंतु सच है कि यही मुकाम है जहां सिंधिया, पायलट, जतिन प्रसाद आदि, राहुल गांधी के नजदीकी वर्तमान या पूर्व कांग्रेसी युवा नेताओं को, सिब्बल, हूडा, आनंद शर्मा, मोइली आदि, वरिष्ठड्ड नेताओं की बगल में खड़े देखा जा सकता है। दूसरी ओर, राहुल गांधी-सोनिया गांधी के रूप में कांग्रेस का प्रभावी नेतृत्व ही है जिसने, कांग्रेस के इस गड्ढे में खिसकने को किसी हद तक रोके रखा है या उसकी रफ्तार को धीमा किया है। जाहिर है कि साधारण कांग्रेस समर्थक इस फिसलन से या तो नाखुश हैं या कन्फ्यूज्ड हैं। इसलिए भी, लैटर बम की बगावत को तो विफ्ल होना ही था।फिर भी, यह उम्मीद तो की ही जा सकती है कि लैटर बम के इस धमाके से, कांग्रेस का प्रभावी नेतृत्व भी कुछ और हरकत में आएगा और इस लैटर बम में छेड़े गए कांग्रेस के सांगठनिक प्रश्नों का ही नहीं, कांग्रेस के रीति-नीति की बुनियादी दुविधा का उत्तर खोजने का भी कुछ न कुछ उद्यम किया जाएगा।

सम्पादकीय

कोरोना से बचाव की रणनीति

देश में गुरुवार को कोरोना के नए मामलों ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। बुधवार से गुरुवार के बीच 24 घंटों में 75,760 नए मरीज सामने आए और 1023 लोगों की मौत हो गई। जबकि देश में अब कुल संक्रमितों की संख्या 33 लाख के पार हो चुकी है और इनमें से 60 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना वायरस आम आदमी का हाल बेहाल कर रहा है, लेकिन आम हिंदुस्तानी तो मुश्किलें पड़ी इतनी कि आसां हो गई, वाले अंदाज में जीने की कोशिश करने लगा है। लॉकडाउन से लेकर अनलॉक के बीच लाखों जिंदगियों पर संकट आ चुका है और यह संकट कब तक टलेगा कुछ कहना मुश्किल है। हम ये सोच कर खुद को झूठा दिलासा दे सकते हैं कि इस परेशानी में अकेले हम ही नहीं हैं, दुनिया के और बहुत सारे देश भी इसी कठिन दौर से गुजर रहे हैं। लेकिन अब बाकी देशों में कहीं कोरोना संक्रमण के मामले थमने शुरू हो गए हैं, कहीं सरकार से मिले आर्थिक पैकेज की वजह से लोगों की परेशानी थोड़ी कम हुई है, तो कहीं वैक्सीन को लेकर नई उम्मीदें बंध रही हैं। रूस के गमलेया इंस्टीट्यूट ने श्स्पूतनिक-वीश् नाम के वैक्सीन को विकसित किया। जिसका पंजीकरण इसी महीने हुआ है और अब अगले महीने देश के कई हिस्सों में व्यापक टीकाकरण होगा। अमेरिका में मॉडर्ना कंपनी वैक्सीन को विकसित करने में लगी है। चीन की फार्मा कंपनी सिनोफार्म ने हाल ही में घोषणा की है कि इस साल के अंत तक वो कोरोना की वैक्सीन बना लेगी। रूस ने श्एपीवैक कोरोनाश् नाम से एक और वैक्सीन तैयार करने का भी दावा किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस नई वैक्सीन का ट्रायल सितंबर में पूरा हो जाएगा और अक्तूबर तक इसे पंजीकृत कर लिया जाएगा। वहीं, नवंबर से इस वैक्सीन का उत्पादन भी शुरू हो जाएगा। भारत में भी कोरोना की तीन वैक्सीन पर तेजी से काम चल रहा है। पहली वैक्सीन पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट की है, जो ऑक्सफोर्ड के साथ मिलकर बनायी गई है। इसे कोविशील्ड के नाम से लॉन्च किया जाएगा। दूसरी वैक्सीन, भारत बायोटेक की है, जिसका नाम कोवैक्सिन है। तीसरी वैक्सीन जाइडस कैडिला की है। इन तीनों का परीक्षण अभी अलग-अलग स्तरों पर चल रहा है और यही उम्मीद की जाना चाहिए कि ये जल्द इस्तेमाल के लिए तैयार होंगी। लेकिन क्या इनकी उपलब्धता आम जनता के लिए भी सरलता से हो पाएगी, यह बड़ा सवाल है। सरकार की ओर से वैक्सीन विकसित करने के बारे में तो बयान आते हैं, लेकिन इन्हें देश की 130 करोड़ की आबादी तक कैसे पहुंचाया जाएगा, इस बारे में अब तक किसी रोडमैप की बात सरकार की ओर से सुनने नहीं मिली है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इसी सवाल के साथ एक ट्वीट किया है कि श्कोविड के टीके तक पहुंच की एक उचित और समग्र रणनीति अब तक बन जानी चाहिए थी। लेकिन अब तक इसके कोई संकेत नहीं मिले हैं। भारत सरकार की कोई तैयारी नहीं होना खतरनाक है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले राहुल गांधी ने कहा था कि सरकार को कोरोना वायरस के टीके के इस्तेमाल, इसके वितरण की व्यवस्था पर अभी से काम करना चाहिए। हो सकता है सरकार के प्रवक्ता, सोशल मीडिया के सहारे राजनीति चलाने वाले पैरोकार इस बात पर भी राहुल गांधी को लेकर कोई पैरोडी बना लें, किसी मीम में उनका मजाक उड़ा लें और फिर एक गंभीर चेतावनी को हवा में उड़ाने में कामयाब हो जाएं। मोदी सरकार में अब तक यही होता आया है। फरवरी में जब राहुल गांधी ने कोरोना के खतरे और आर्थिक दशा पर उसके असर को लेकर सावधान होने की चेतावनी दी थी, तब भी सरकार ने उसे अनसुना किया था। इसके बाद उन्होंने लॉकडाउन को पॉज बटन बताते हुए रणनीति बनाने की अपील सरकार से की थी। उन्होंने सुझाव दिया था कि टेस्टिंग बढ़ाइए, ताकि इसके संक्रमण का ठीक-ठीक पता लगे और उसे फैलने से रोका जा सके। मगर सरकार ने तब भी इस ओर ध्यान नहीं दिया। राहुल गांधी ने गरीबों तक सीधे रकम पहुंचाने की बात कही, ताकि आर्थिक मुसीबत में उन्हें थोड़ी राहत मिले। सरकार ने फिर उनके सुझाव को नजरंदाज किया। ऐसा लगता है मानो भाजपा राहुल गांधी के किसी सुझाव को जानबूझकर सुनना-समझना नहीं चाहती। क्योंकि इससे राहुल गांधी की छवि को मजाक का विषय बनाने की उसकी रणनीति नाकाम हो जाएगी। इस तरह भाजपा अपना राजनैतिक फायदा भले कर रही हो, लेकिन देश को सही सुझावों से वंचित कर नुकसान ही कर रही है। राहुल गांधी कोई भविष्यवेत्ता नहीं हैं, लेकिन वे स्थितियों का आकलन कर, विशेषज्ञों से बातचीत कर जिन परिणामों की आशंकाएं जतला रहे थे, वे सही साबित हो रही हैं। चाहे वो कोरोना के बढ़ते मामले हों या फिर डगमगाती अर्थव्यवस्था। अब उन्होंने एक बार फिर टीके को लेकर रणनीति बनाने की बात सरकार से कही है। इस पर भी सरकार गौर नहीं करेगी तो आम आदमी के लिए वाकई मुसीबत और बड़ी हो जाएगी। हिंदुस्तान में लोकतंत्र होने के बावजूद सुविधाओं पर संपन्न वर्ग पहले हक जमा लेता है, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक हमने यही देखा है। अब अगर कोरोना की वैक्सीन आ गई और उसका लाभ भी अगर संपन्न तबके ने पहले उठा लिया, तो देश के लिए बीमारी का खतरा बरकरार रहेगा। क्योंकि कोरोना का संक्रमण रोकने के लिए हरेक को इससे बचना होगा। देश को पोलियोमुक्त करने के लिए ही लंबे अभियान और जनजागरुकता की जरूरत हुई, तब जाकर इसमें सफलता मिली। वहां तो केवल पांच साल तक के बच्चों को इसकी खुराक देनी थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव-14

अनेक विकसित देशों, विशेषकर दक्षिण कोरिया और यूरोप के कुछ हिस्सों में दर्शकों को वापस खेल देखने के लिए अनुमति देने के बीच अमेरिका में संगठित खेलों को रद्द करने से लोगों में कम से कम निराशा तो है ही। इन भावनाओं का असर चुनावों पर कम करके नहीं आंका जाना चाहिए तथा जिस प्रकार से कॉलेज फुटबाल को निरस्त किए जाने वाले मामले को उछाला जा रहा है, उसका प्रभाव भी पड़ेगा- अतीत में भी इन सांस्कृतिक मुद्दों ने चुनावों पर प्रभाव डाला है और इस बार भी उसका असर हो सकता है। टबाल अमेरिका का सर्वाधिक लोकप्रिय खेल है। नेशनल फुटबाल लीग (एनएफएल) के सबसे बड़े टूर्नामेंट के प्रत्येक मैच को लगभग 1.65 करोड़ लोग देखते हैं। उसका चौम्पियनशिप का मुकाबला श्सुपर बाऊलश् कहलाता है जिसे एक तरह से राष्ट्रीय छुट्टी के दिन जैसा दर्जा प्राप्त है और लगभग आधा देश इसे देखता है। सच तो यह है कि एनएफएल के बाद सबसे अधिक देखे जाने वाला टूर्नामेंट अगर कोई है तो वह है नेशनल कॉलेज एथलेटिक्स एसोसिएशन की फुटबाल स्पर्धा। इसे सामान्य तौर पर कॉलेज फुटबाल कहा जाता है। इसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों की टीमें एक-दूसरे के खिलाफखेलती हैं। यह टूर्नामेंट विभिन्न चरणों में होता है क्योंकि एनएफएल में भाग लेने के लिए हर टीम में 21 खिलाड़ियों का होना अनिवार्य रहता है। इसलिए कॉलेज के फुटबाल खिलाड़ियों को इसमें शामिल कर लिया जाता है जिन्हें आगे चलकर खेलों को पेशे के रूप में अपनाने में मदद मिलती है। कॉलेज फुटबाल का उच्चतम स्तर श्फुटबाल बाऊल सबडिवीजनश् (एफबीएस) कहलाता है जिसमें 130 टीमें होती हैं। इनमें देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित अमेरिका के सबसे बड़े और सर्वाधिक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय भाग लेते हैं। देश के विभिन्न इलाकों में, जहां प्रोफेशनल खेलों की टीमें अनुपस्थित हैं वहां कॉलेज फुटबाल एनएफएल के विकल्प के रूप में उतरते हैं। इन्हें देखने के लिए बड़ा हुजूम इकटठा होता है और उन्हें बड़ी रेटिंग भी प्राप्त होती है।एनएफएल के मुकाबले कॉलेज फुटबाल कम केन्द्रीकृत रूप से कम संगठित है क्योंकि देश के विभिन्न हिस्सों में छोटी प्रतियोगिताओं की श्रृंखलाएं आयोजित की जाती हैं जिन्हें कांफ्रेंस कहा जाता है। इनमें 10 से 15 टीमें हिस्सा लेती हैं। इनमें ज्यादातर क्षेत्रों के आपसी मुकाबले होते हैं जो सीजन के अंत तक चलते हैं जब प्रत्येक क्षेत्र की श्रेष्ठ टीमें कॉलेज फुटबाल प्ले ऑफ टूर्नामेंट में उतरती हैं। एनएफएल की अंकीय रेटिंग के दौरान केन्द्रीय संगठन ने कोरोना वायरस के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों को अपनाते हुए इसके आयोजन की अनुमति दे दी है, जबकि एनसीएए दूसरा बड़ा मुकाबला भी जारी है। एनएफएल के ठीक विपरीत, जिनमें पेशेवर खिलाड़ी होते हैं, कॉलेज फुटबाल के खिलाड़ियों को पैसे नहीं मिलते तथा उन्हें अधिकृत तौर पर एमेच्योर समझा जाता है। इतना ही नहीं, ये खिलाड़ी अपने कॉलेजों के छात्र होते हैं और उनकी सुरक्षा के लिए विश्वविद्यालय की ओर से खुद ही जिम्मेदार होते हैं। ऐसे वक्त में जब अनेक विश्वविद्यालयों ने केवल ऑनलाइन अथवा विकसित शैक्षणिक मॉडल अपना लिए हैं, यह सवाल अक्सर उठाया जाता है कि खिलाड़ी छात्रों का क्या होगा? वैसे अनिश्चितता के उच्च स्तर को देखते हुए इस मुद्दे का अब तक कोई हल नहीं निकाला गया है। कई लोगों का अनुमान है कि कोरोना महामारी सितम्बर तक समाप्त हो जाएगी जब सामान्यतः कॉलेज फुटबाल का सीजन शुरू होता है। अन्य विकसित देशों के मुकाबले कोरोना संक्रमण अमेरिका में अब भी जारी है और प्रशासकों द्वारा कॉलेज फुटबाल में सुरक्षा संबंधी निर्णय लेने का वक्त आ गया है। सबसे पहले तो आने वाले सीजन के लिए दर्शकों का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। उसके बाद मैचों की संख्या घटा दी गई है तथा ज्यादातर कांफ्रेंसों ने तय किया है कि वे आपस में ही खेलेंगे। अंततः 11 अगस्त को मानों एक बम गिराया गया। सबसे बड़े दो कांफ्रेंसों में से पैक-12 कांफ्रेंस, जिसमें वेस्ट कोस्ट कॉलेज शामिल हैं तथा मिडवेस्टर्न स्कूल को समाविष्ट करने वाले बिग टेन कांफ्रेंस ने पूरा फुटबाल सीजन ही निरस्त करने का फैसला ले लिया। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि इन निर्णयों, खासकर बाद वाले का असर जबरदस्त हुआ है। ऐसे में जबकि दूसरे लीग सीमित संख्या में खेलों का आयोजन करने की योजना बना रहे हो, बिग टेन द्वारा फुटबाल सीजन को निरस्त करने का जो बड़ा सांस्कृतिक प्रभाव पड़ा है, उसका विस्तार राजनैतिक क्षेत्र तक हो रहा है। कॉलेज फुटबाल मिडवेस्ट का सांस्कृतिक स्तम्भ है। यह खेल आयोजन, उत्सव और मुकाबला एक तरह से जिंदगी से भी बड़ा हो जाता है और उसका असर सार्वजनिक जीवन तक पहुंचता है। इस महत्वपूर्ण स्तम्भ के नुकसान का प्रभाव राजनैतिक रूप से भी पड़ता है। मिडवेस्टर्न राज्यों में अमेरिका के अन्य क्षेत्र के राज्यों से मर्जी जिस पार्टी को वोट देने की गुंजाईश अधिक हैं। ओहैयो, पेन्सिलवानिया और विस्कोन्सिन राज्य चुनावी युद्ध के प्रमुख मैदान साबित होने वाले राज्य होते हैं और यहां कॉलेज फुटबाल के न होने को कोई समर्थन नहीं मिला है। जैसा कि ऊपर बताया गया है मिडवेस्टर्न नागरिकों के लिए कॉलेज फुटबाल का दर्जा धर्म जैसा है तथा उसका निरस्त होना पूरे अमेरिका के मुख्य क्षेत्रों में लाखों लोगों की नाराजगी का सबब है।

इस प्रक्रिया का असर अभी पूरी तरह समझा नहीं गया है। कुछ कहते हैं कि यह गुस्सा सीधे डोनाल्ड ट्रम्प पर चुनावों में उतरेगा- क्योंकि अंततरू कई लोग इसका कारण कोरोना संक्रमण के कुप्रबंधन के लिए ट्रम्प को ही दोषी मानते हैं जिसके कारण यह टूर्नामेंट निरस्त हुआ है। साथ ही, कई लोगों ने इशारा किया है कि इसके कारण ट्रम्प नवम्बर, 2020 में मिडवेस्टर्न राज्यों में श्रृंखलाबद्ध तरीके से हारेंगे। कॉलेज फुटबाल की सबसे बड़ी राष्ट्रीय हस्तियों में से एक पॉल फाईनबॉम का कहना है कि वह उतना ही महत्वपूर्ण है जितनी राजनीति। ओहैयो, जॉर्जिया, अलाबामा में कॉलेज फुटबाल उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितनी राजनीति है। वे मानते हैं कि उसके बिना लोग हाथ से निकल जाएंगे, नाराज हो जाएंगे। अभी आरोपों का सिलसिला बना हुआ है और यह अंततरू अतिक्रमण का खेल होकर रह जाएगा। मैंने हमेशा अपने कार्यक्रमों से राजनीति को बाहर रखने की बेतहाशा कोशिश की है परंतु इन गर्मियों में मैं बुरी तरीकों से नाकाम रहा हूं। ऐसा कोई भी दिन नहीं होता जब मुझे फोन करके कोई व्यक्ति राष्ट्रपति को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराता। यहां तक कि दक्षिणी हिस्से से भी मैंने राष्ट्रपति के लिए इतना रोष सुना है जिसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। वैसे अनेक लोगों का यह भी विश्वास है कि ट्रम्प को उनके गुस्से का फायदा मिलेगा। कई खेल प्रेमी कॉलेज फुटबाल के रद्द होने पर अनावश्यक और आवश्यकता से अधिक प्रतिक्रिया के रूप में इसे देखते हैं। इस मामले में मिडवेस्टर्न नागरिक ट्रम्प का पक्ष लेंगे, जिन्होंने खेल रद्द होने के खिलाफ आवेदन किया था और इसका दोषी डेमोक्रेट्स को ठहराया था, जो उनके विचार में बेवजह अति सुरक्षित हो रहे हैं।

उपराष्ट्रपति माईक पेन्स ने ट्वीट किया था- अमेरिका कॉलेज फुटबाल चाहता है। यह छात्र-खिलाड़ियों, कॉलेजों और हमारे देश के लिए महत्वपूर्ण है। इन महान एथलीटों ने कॉलेज स्तर पर मुकाबले के इस अवसर के लिए बेतहाशा मेहनत की है और वे सुरक्षा उपायों के साथ मैदान में उतरने के हकदार हैं।ट्रम्प के प्रचार अभियान ने इस मुद्दे को लपक लिया है, जिसका दावा है कि वे इस सीजन में खेलने के लिए संघर्षरत कॉलेज फुटबाल खिलाड़ियों के साथ हैं। वैसे कई लोगों के लिए अमेरिका में संक्रमण की वर्तमान स्थिति के बावजूद यह अभियान का महामारी को कमतर बतलाने का ताजा प्रयास है। आरोपों को मोड़ने की ट्रम्प की क्षमता 2016 के प्रभावशाली प्रचार के केन्द्र में थी और खेलों का रद्द होना उनके लिए उसे दोहराने का अवसर है। अनेक विकसित देशों, विशेषकर दक्षिण कोरिया और यूरोप के कुछ हिस्सों में दर्शकों को वापस खेल देखने के लिए अनुमति देने के बीच अमेरिका में संगठित खेलों को रद्द करने से लोगों में कम से कम निराशा तो है ही।

भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते से दूट सकती है, किसानों की कमर

भारत और अमेरिका के बीच खुले व्यापार समझौते की संभावना काफी समय से व्यक्त हो रही है। हाल ही में ऐसे समाचार प्रकाशित हुए हैं जिनमें वाणिज्य मंत्रालय के स्त्रोतों के माध्यम से भारत और अमेरिका के खुले व्यापार समझौते के बारे में कहा गया है कि दोनों पक्ष इस व्यापार समझौते की संभावना पर बातचीत करते रहे हैं और इस दिशा में एक आरंभिक व्यापार समझौते की वार्ता को परिणाम की ओर ले जाना चाहते हैं।इस तरह के संकेत हैं कि अपने बहुत व्यापक परिणामों के कारण ऐसा समझौता एकमुश्त नहीं होगा, अपितु विभिन्न चरणों में सामने आएगा। इसका पहला चरण या पैकेज शीघ्र सामने आने की संभावना बढ़ गई है। अमेरिकी पक्ष की ओर से देखें तो इस समझौते की अनेक प्राथमिकताएं हैं जिनमें से एक प्राथमिकता यह है कि उसके कृषि व डेयरी उत्पादों का आयात भारत में तेजी से बढ़े। दूसरी ओर यदि भारतीय पक्ष की ओर से देखा जाए तो अमेरिकी कृषि व डेयरी उत्पादों का आयात बढ़ना उसके हित में नहीं है। भारत व अमेरिकी किसान बहुत अलग-अलग परिस्थितियों में कार्य करते हैं व उनकी बराबरी नहीं है। भारत के एक औसत किसान के पास एक हेक्टेयर भूमि है तो अमेरिका के एक औसत किसान के पास 176 हेक्टेयर भूमि है। इतना ही नहीं, अमेरिकी कृषि व खाद्य व्यवस्था पर ऐसी विशालकाय बहुराष्ट्रीय कंपनियां छाई हुई हैं जिनके संसाधन अपार हैं और जिनकी महत्वाकांक्षा विश्व-खाद्य-व्यवस्था को नियंत्रित करने की है। अमेरिका की सरकार की ओर से वहां की कृषि व खाद्य व्यवस्था को इतनी सब्सिडी व सहायता मिलती है जितनी भारत समेत किसी विकासशील देशों की सरकारों के लिए संभव ही नहीं है। अतः यदि भारत-अमेरिका खुले व्यापार समझौते (पहले या दूसरे चरण) से भारत में सस्ते अमेरिकी कृषि उत्पादों के आयात की संभावना बढ़ती है तो इससे भारतीय किसानों की समस्याएं बढ़ने की संभावना है, वह भी ऐसे वक्त जब पहले ही भारतीय किसान अनेक गंभीर

समस्याओं से जूझ रहे हैं। अमेरिका सोयाबीन का एक बहुत बड़ा निर्यातक देश है। यदि भारत में अमेरिकी सोयाबीन का आयात बढ़ा तो भारत के सोयाबीन किसानों की समस्याएं तेजी से बढ़ सकती हैं। अमेरिका मक्का का भी एक बड़ा निर्यातक है और इस तरह मक्के के भारतीय किसानों की समस्याएं भी बहुत बढ़ सकती हैं। अमेरिका की सोयाबीन और मक्का मुख्य रूप से जीएम (जेनेटिकली मोडीफाईड या जीन-संवर्धित) फसल है। विश्व के अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक व वैज्ञानिक समूह चेतावनी दे चुके हैं कि जीएम फसलें स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक हैं। इस कारण भारत में अभी जीएम खाद्यों व फसलों पर प्रतिबंध है। यदि अमेरिका से खुला व्यापार समझौता हुआ तो जीएम खाद्य आयातों पर प्रतिबंध हटाने के लिए भारत पर दबाव पड़ेगा व आगे चलकर जीएम खाद्य फसलों पर भी प्रतिबंध हटाने के लिए दबाव बढ़ेगा। जीएम फसलों के प्रसार से जो बहुराष्ट्रीय कंपनियां जुड़ी हैं उनमें अमेरिका की बहुराष्ट्रीय कंपनियों की प्रमुख भूमिका रही है। इसी तरह डेयरी उत्पादों व डेयरी किसानों को देखें तो भारत व अमेरिका के डेयरी किसानों में कोई बराबरी नहीं है। भारत के औसत डेयरी-किसान के पास दो-तीन दुधारू पशु होते हैं तो अमेरिका के औसत डेयरी फार्म के पास 1000 से अधिक गाय होना सामान्य बात है। इसके अतिरिक्त अमेरिका के डेयरी उद्योग पर भी बहुत बड़ी साधन-संपन्न कंपनियां हावी हैं व डेयरी किसानों,उद्योग को सरकार से बहुत प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष सब्सिडी भी मिलती है। इस स्थिति में अमेरिका से सस्ते व अधिक डेयरी उत्पादों के आयात से भारत के डेयरी उत्पादकों को बहुत क्षति होगी। इसके अतिरिक्त अमेरिका में दूध-उत्पादन बढ़ाने के लिए उपयोग होने वाले जीएम ग्रोथ-हार्मोन के उपयोग से भारतीय उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की भी क्षति होगी। इन आयातित डेयरी उत्पादों से सांस्कृतिक-धार्मिक स्तर की समस्याएं भी जुड़ सकती हैं। इसके अतिरिक्त पोल्ट्री या मुर्गीपालन के उत्पादों के निर्यात को बढ़ाने में भी अमेरिका की बहुत रुचि है। कुछ देशों में अमेरिका के ये उत्पाद इतने सस्ते उपलब्ध हुए कि वहां स्थानीय उत्पादकों का खर्च भी इससे अधिक बैठता था। अतः स्थानीय उत्पादकों का बाजार बहुत कम हो गया। चूंकि अमेरिका के फार्म व कंपनियां अधिक साधन-संपन्न है व सरकारी सब्सिडी भी अधिक प्राप्त करते हैं अतः विकासशील देशों के उत्पादक उनके सामने टिक नहीं सकते। इन सब स्थितियां पर व संभावनाओं पर अभी से चिंतन-मनन आवश्यक है, ताकि भारत-अमेरिका खुले व्यापार समझौते में इन सभी खतरों को दूर रखने की समुचित तैयारी हो सके। भारत सरकार को चाहिए कि इस व्यापार समझौते से जुड़ा हुआ सभी कार्य पारदर्शिता के माहौल में करे। विशेषकर यह जरूरी है कि किसानों व उनके संगठनों व प्रभावित होने वाले सभी लोगों के पास इस समझौते की समुचित जानकारी पहुंचती रहे ताकि इस बारे में एक खुली बहस हो सके जो कि प्रामाणिक जानकारी पर आधारित हो।

मरियप्पन, मणिका और रानी को खेल रत्न, 27 खिलाड़ी बने अर्जुन, 13 द्रोणाचार्यों भी सम्मानित

दिल्ली | एजेंसी।

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने रियो पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता एथलीट मरियप्पन थंगावेलु, टेबल टेनिस स्टार मणिका बत्रा और महिला हाकी टीम की कप्तान रानी रामपाल को शनिवार को खेल दिवस के दिन वर्चुअल माध्यम से देश के सर्वोच्च खेल सम्मान राजीव गांधी खेल रत्न से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति भवन से वर्चुअल समारोह से अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार और आजीवन ध्यानचंद पुरस्कार प्रदान किए। हाकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद के जन्मदिन 29 अगस्त को पूरे देश में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

क्रिकेटर रोहित शर्मा और महिला पहलवान विनेश फोगाट पुरस्कार समारोह का हिस्सा नहीं बन सके। रोहित इस समय आईपीएल के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हैं, जबकि विनेश फोगाट कोविड-19 से संक्रमित होने के चलते इस समारोह में हिस्सा नहीं ले सकीं।

श्री कोविंद ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, कि मेजर ध्यानचंद से लेकर आज के पुरस्कार विजेताओं और प्रशिक्षकों के विषय में एक बात समान रूप से कही जा सकती है। आप सबके प्रयासों के बल पर विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ता रहा है। आप सबने अपने प्रदर्शन से, सभी भारतवासियों को, सामूहिक सफलता के अहसास के अविस्मरणीय क्षण प्रदान किए हैं।

सभी पुरस्कार विजेताओं को मेरी हार्दिक बधाई। मेजर ध्यानचंद, खिलाड़ियों के साथ-साथ अन्य सभी देशवासियों के लिए भी एक आदर्श हैं। साधारण परिवेश तथा सुविधाओं के बीच उन्होंने अपनी निष्ठा व कौशल से हॉकी के मैदान में असाधारण उपलब्धियां हासिल कीं।

राष्ट्रपति ने खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार और ध्यानचंद पुरस्कार प्रदान किये। इस साल पांच खिलाड़ियों को खेल रत्न, 27 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार, 13 कोचों को द्रोणाचार्य पुरस्कार और 15 खिलाड़ियों को आजीवन उपलब्धि के ध्यानचंद पुरस्कार के लिए चुना गया था। इसके अलावा आठ लोगों को तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार, पांच संस्थानों को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार और पंजाब यूनीवर्सिटी चंडीगढ़ को मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी प्रदान की गयी।

पुरस्कार विजेताओं की सूची

राजीव गांधी खेल रत्न- रोहित शर्मा, विनेश फोगाट, मणिका बत्रा, रानी रामपाल और मरियप्पन थंगावेलु

अर्जुन पुरस्कार- इशांत शर्मा (क्रिकेट), मनु भाकर (निशानेबाजी), सौरभ चौधरी (निशानेबाजी), दुती चंद (एथलेटिक्स), दीपिका ठाकुर (हॉकी), अतानु दास (तीरंदाजी), दीपक हुड्डा (कबड्डी), दिविज शरण (टेनिस), चिराग शेट्टी (बैडमिंटन), सात्विकसैराज रेंकीरेड्डी (बैडमिंटन), दत्तु भोकानल (रोइंग), लवलीना बोर्गोहेन (मुक्केबाजी), आकाशदीप सिंह (हॉकी), दीप्ति शर्मा (क्रिकेट), मनीष कौशिक (मुक्केबाजी), राहुल अवारे (कुश्ती), दिव्या काकरान (कुश्ती), मधुलिका पाटकर (टेबल टेनिस), विशेष भृगुवंशी (बास्केटबॉल), सावंत अजय अनंत (घुड़सवारी), सन्देश झिंगन (फुटबॉल), अदिति अशोक (गोल्फ), काले सारिका सुधाकर (खो-खो), शिवा केशवन (शीतकालीन खेल), सुयेश नारायण जाधव (पैरा तैराकी), संदीप (पैरा एथलेटिक्स), मनीष नरवाल (पैरा निशानेबाजी)

द्रोणाचार्य पुरस्कार- लाइफटाइम वर्ग- धर्मेंद्र तिवारी (तीरंदाजी), पुरुषोत्तम राय (एथलेटिक्स), शिव सिंह (मुक्केबाजी), रोमेश पठानिया (हॉकी), के के हुड्डा (कबड्डी), विजय मुनीश्वर (पैरा पावरलिफ्टिंग), नरेश कुमार (टेनिस), ओ पी दाहिया (कुश्ती)। नियमित वर्ग- योगेश मालवीय (मल्लखंब), गौरव खन्ना (पैरा बैडमिंटन), जसपाल राणा (निशानेबाजी), कुलदीप हांडू (वुशु) और जूड फेलिक्स (हॉकी)

ध्यानचंद पुरस्कार- जिंसी फिलिप्स (एथलेटिक्स), कुलदीप सिंह भुल्लर (एथलेटिक्स), तृप्ति मुरगुंडे (बैडमिंटन), प्रदीप गन्धे (बैडमिंटन), एन उषा (बॉक्सिंग), लाखा सिंह (मुक्केबाजी), सुखविंदर सिंह संधू (फुटबॉल), अजीत सिंह (हॉकी), मनप्रीत सिंह (कबड्डी), मनजीत सिंह (रोइंग), स्वर्गीय सचिन नाग (तैराकी), नंदन बल (टेनिस), नेत्र पाल हुड्डा (कुश्ती) और जे रंजीत कुमार (पैरा एथलेटिक्स), सत्य प्रकाश तिवारी (पैरा बैडमिंटन)

तेनजिंग नोर्गे साहस पुरस्कार- कर्नल सरफराज सिंह, अनिता देवी, गजानंद यादव, ताका तामुत, नरेंद्र सिंह, केवल हिरेन कक्का, सत्येंद्र सिंह और स्वर्गीय मगन बिस्सा

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार- लक्ष्य इंस्टीट्यूट, आर्मी स्पोटर्स इंस्टीट्यूट,तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी), वायु सेना स्पोटर्स कंट्रोल बोर्ड और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रबंधन संस्थान (आईआईएसएम)

मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी- पंजाब यूनीवर्सिटी चंडीगढ़

सार समाचार ....

राजस्थान रॉयल्स के फिल्डिंग कोच दिशांत याग्निक कोरोना से उबरे

दुबई एजेंसी।

राजस्थान रॉयल्स के क्षेत्ररक्षण कोच दिशांत याग्निक कोविड-19 वायरस से उबर गये हैं और लगातार दो जांच में नेगेटिव आने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले यहां अपनी टीम से जुड़ गये हैं। 33 साल के याग्निक को 12 अगस्त को टीम की रवानगी से पहले वायरस से संक्रमित पाया गया था। आईपीएल संयुक्त अरब अमीरात में 19 सितंबर से तीन शहरों में खेला जायेगा। याग्निक उदयपुर में अपने गृहनगर में थे, वहीं उन्हें कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया था और उन्हें 14 दिन के क्वारंटाइन के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया। फेंचाइजी ने शुक्रवार की रात ट्वीट किया, '14 दिन का क्वारंटाइन, 2 नेगेटिव परीक्षण, एक फिटनेस टेस्ट, क्षेत्ररक्षण कोच दिशांत याग्निक आईपीएल 2020 के लिये तैयार। टीम अधिकारी ने लिखा, 'वह आज तड़के यहां पहुंच गये। हालांकि वह छह दिन के पृथकवास में रहेंगे और तीन कोविड-19 जांच में नेगेटिव आने के बाद टीम की ट्रेनिंग से जुड़ेंगे।

चेन्नई सुपरकिंग्स के स्टार बल्लेबाज सुरेश रैना निजी कारणों से स्वदेश लौटे

नई दिल्ली एजेंसी। चेन्नई सुपरकिंग्स के स्टार बल्लेबाज सुरेश रैना निजी कारणों से दुबई से स्वदेश लौट आए हैं और वह इस सत्र में आईपीएल में नहीं खेलेंगे। चेन्नई टीम के सीईओ काशी विश्वनाथन ने अपनी टीम के ट्विटर पर कहा कि सुरेश रैना निजी कारणों से भारत लौट गए हैं और वह आईपीएल सत्र के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। चेन्नई टीम इस समय सुरेश और उनके पूरे परिवार का पूरा समर्थन करती है।

रैना का भारत लौटना चेन्नई टीम के लिए गहरा झटका है जिसके एक भारतीय खिलाड़ी सहित 10 सदस्य गुरुवार को हुए टेस्ट के बाद कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। चेन्नई टीम ने अपना अभ्यास सत्र एक सितंबर तक के लिए स्थगित कर दिया है। चेन्नई का अभ्यास सत्र शुक्रवार से शुरू होना था। आईपीएल की अन्य टीमों ने दुबई और अबु धाबी में अपना अभ्यास शुरू कर दिया है। रैना ने इस महीने 15 अगस्त को महेंद्र सिंह धोनी के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। पूर्व भारतीय कप्तान धोनी चेन्नई टीम के कप्तान हैं। आईपीएल ने अभी तक टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है, जबकि टूर्नामेंट को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 19 सितंबर से शुरू होना है।

उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय खेल दिवस की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली एजेंसी। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री नायडू ने यहां जारी एक संदेश में कहा कि मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना जरूरी है, इसलिए नियमित रूप से योग और व्यायाम किया जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि कोरोना ने हमारी खेलकूद की गतिविधियों को बाधित कर रखा है, लेकिन आज शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना ज्यादा जरूरी है, तभी हम संक्रमण से लड़ पाएंगे। श्री नायडू ने कहा कि इस अवसर पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिनकी जन्म जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है।

जब हॉकी के जादूगर ध्यानचंद से मिले थे हॉलीवुड स्टार चार्ली चैपलिन

नई दिल्ली एजेंसी। साल 1931 में हॉलीवुड स्टार चार्ली चैपलिन ने लंदन में ईस्ट इंडिया डॉक रोड स्थित एक छोटे से घर में महात्मा गांधी के साथ एक छोटी सी मुलाकात की थी. ठीक एक साल बाद, लॉस एंजेलिस में चार्ली चैपलिन ने हॉकी के जादूगर और भारतीय आइकन मेजर ध्यानचंद के साथ मुलाकात की. यह भारत की दो हस्तियों के साथ उनकी दूसरी यादगार मुलाकात थी. हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद 1932 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक में भारत के लिए स्वर्ण जीतने के बाद ही तुरंत स्टार बन गए थे. मेजर ध्यानचंद के बेटे और हॉकी वर्ल्ड कप विनर टीम के सदस्य अशोक ध्यानचंद सहित कई ओलंपियन ध्यानचंद को भारत देने की मांग कर चुके हैं. अशोक ने खुलासा करते हुए कहा, चार्ली चैपलिन ओलंपिक विलेज आए थे और उन्होंने दद्दा (ध्यानचंद) और उनके टीम साथियों के साथ मुलाकात की थी।

अर्जुन अवॉर्ड विनर बनी पहलवान दिव्या काकरन के परिवार की संघर्ष की कहानी

नई दिल्ली , एजेंसी। हौसला, जिद और कुछ कर दिखाने का जुनून, ये वो तीन मूल मंत्र हैं, जो किसी भी खिलाड़ी की सफलता तय करते हैं. ये बात देश के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स से लेकर एशियन गेम्स तक में मेडल जीत चुकी महिला पहलवान दिव्या काकरान ने भी साबित की है. पश्चिमी उत्तर प्रदेश की क्राइम कैपिटल कहलाने वाले मुजफ्फरनगर के गांव पुरबालियान की इस छोरी को उसकी सफलताओं के लिए राष्ट्रीय खेल दिवस पर शनिवार को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस अवॉर्ड तक पहुंचने के लिए दिव्या को क्या-क्या पापड़ बेलने पड़े हैं? दरअसल दिव्या के कुश्ती मैट पर विपक्षी पहलवानों को चित करने से पहले उनके माता-पिता को जिंदगी के %दांवपेंच का सामना करना पड़ा था. दरअसल दिव्या के पिता सूरज काकरान भी गांव में पहलवानी करते थे. बड़ा पहलवान बनने के मकसद से वे 1990 में दिल्ली आ गए. यहां पहलवान नहीं बन पाए तो वापस गांव लौटकर दूध का कारोबार करने लगे. शादी हो गई और बच्चे भी हो गए, लेकिन दूध का कारोबार फेल हो गया. तब तक दिव्या भी बड़ी होने लगी थी और घर में ही पहलवानी के दांवपेंच दिखाने लगी थीं.

दिव्या के पिता ने एक दिन गीता फोगाट की कहानी एक अखबार में पढ़ी तो उन्हें लगा कि मेरी बेटी भी पहलवान क्यों नहीं बन सकती. बस इसके बाद वे फिर से दिल्ली आ गए और पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी में एक कमरे का घर किराये पर ले लिया. वे दिव्या को रोजाना अखाड़े में लेकर जाने लगे.

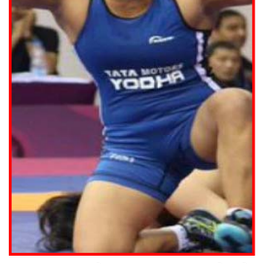

दिल्ली आने के बाद जब कुछ और काम नहीं मिला तो दिव्या की मां संयोगिता ने दर्जी बनकर सिलाई मशीन थाम ली. संयोगिता पहलवानों के लिए लंगोट बनाने लगी और सूरज उन्हें अखाड़ों में जाकर बेचने लगे. दूर-दूर तक के गांवों में भी दंगल के दौरान वे लंगोट का बंडल लेकर पहुंच जाते थे. इसी तरह से घर का गुजारा किसी तरह से होने लगा था. इस दौरान दिव्या को पहलवान बनाने का संघर्ष भी जारी रहा. लोग भद्दे कमेंट करते थे, लेकिन सूरज काकरान ने कभी किसी की बात नहीं सुनी. आर्थिक संकट ऐसा रहा कि एक बार दिव्या को दंगल के लिए भेजने को उसकी मां संयोगिता को अपना मंगलसूत्र तक बेचना पड़ा. दिव्या को भी अपना पहला दंगल गीता फोगाट की ही तरह एक पुरुष पहलवान से लड़ना पड़ा था. दिव्या ने एक इंटरव्यू में बताया था कि इस दंगल के लिए उन्हें 30 रुपये का इनाम मिला था. लेकिन इसके बाद उन्हें ये पैसे कमाकर माता-पिता की मदद करने का जरिया लगा. वे पुरुष पहलवानों को चैलेंज कर दंगल लड़ने लगी थी. अपने करियर में दिव्या काकरान ने 2018 में गोल्डकोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स और जकार्ता एशियन गेम्स में ब्रांज मेडल अपने नाम किए थे. एशियन चैंपियनशिप में एक सिल्वर और एक ब्रांज मेडल जीतने के बाद इस साल के शुरू में गोल्ड मेडल भी अपने नाम कर लिया था. नेशनल लेवल पर दिव्या के खाते में अब तक 20 से ज्यादा गोल्ड मेडल दर्ज हो चुके हैं.

'राजीव गांधी खेल रत्न' मिलने से एक दिन पहले रेसलर विनेश फोगाट कोरोना वायरस पॉजिटिव

नई दिल्ली , एजेंसी।

एशियन और कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडल विनर पहलवान विनेश फोगाट ने बताया कि वो कोरोना वायरस टेस्ट में पॉजिटिव पाई गई हैं हालांकि उसमें कोई लक्षण नहीं पाए गए. इस साल देश के टॉप स्पोर्ट्स अवॉर्ड 'राजीव गांधी खेल रत्न' के लिए चुनी गई विनेश इन दिनों अपने कोच ओम प्रकाश की देख-रेख में सोनीपत में ट्रेनिंग कर रही थीं. विनेश ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'खेल पुरस्कारों की तैयारियों के तहत कोरोना वायरस के जांच के लिए सोनीपत में मेरा नमूना लिया गया था, जांच में इसका नतीजा पॉजिटिव आया है. भगवान ने चाहा तो मैं जल्द ठीक हो जाऊंगी. मैं घर पर आइसोलेशन में हूं. अभी तक कोई लक्षण नहीं पाया गया है.' टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली इकलौती भारतीय महिला पहलवान विनेश शनिवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार के वर्चुअल समारोह में भाग नहीं ले सकेंगी. भारतीय कुश्ती महासंघ ने जब राष्ट्रीय शिविर एक सितंबर से लखनऊ में आयोजित करने का फैसला लिया था तो स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर विनेश ने चिंता जताई थी. उसने शिविर से बाहर रहने की छूट मांगी थी. बाद में भारतीय खेल प्राधिकरण और डब्ल्यूएफआई ने हालांकि शिविर ही स्थगित कर दिया. पुरूषों का शिविर 1 सितंबर से सोनीपत के साइ (स्ढ्ढ) सेंटर में शुरू होगा. इसमें बजरंग पूनिया समेत देश के शीर्ष पहलवान हिस्सा ले रहे हैं. बजरंग ने कहा,'कुश्ती के अधिकांश बड़े देशों ने शिविर शुरू कर दिए हैं. चाहे रूस हो, अमेरिका या जार्जिया. हमें भी जोखिम लेना ही होगा. दिसंबर में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप अहम नहीं है लेकिन ओलंपिक है. अभी तक कई खिलाड़ियों ने ओलंपिक के लिये क्वालीफाई नहीं किया है. ये कैंप बहुत जरूरी है. हमें बताया गया है कि साइ के 48 कर्मचारियों की कोरोना जांच हो चुकी है और सभी नेगेटिव पाये गए हैं. बाहर तो और भी खतरा है लेकिन खेल परिसर के भीतर सुरक्षा है.'

महान सचिन तेंदुलकर जैसा बैटिंग परफेक्शन किसी में नहीं : सुनील गावसकर पूर्व क्रिकेटर स्टार

दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावसकर ने कहा है कि सचिन की बल्लेबाजी परफक्शन के सबसे करीब थी। गावस्कर ने कहा कि अपने करियर के दौरान उन्होंने कई महान खिलाड़ी देखे, लेकिन कोई भी सचिन के करीब नहीं था।

दिल्ली | एजेंसी।

महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर के नाम इस खेल के कई रिकार्ड दर्ज हैं। मैदान पर उनकी महानता के बारे में शायद ही कोई संदेह है।उन्होंने कहा, बल्लेबाजी में परफेक्शन का जहां तक सवाल है, उसमें सबसे करीब रहे सचिन। मैंने कभी किसी बल्लेबाज को उनके करीब नहीं देखा। उन्होंने आगे कहा, मैं जिस समय से खेला और जब से मैं क्रिकेट देख रहा हूं, तब से कई शानदार बल्लेबाज देखे, लेकिन सचिन की बल्लेबाजी परफेक्शन के करीब कोई नहीं आया। टेस्ट में सबसे पहले 10000 रन बनाने वाले गावस्कर ने कहा कि सचिन सभी तरह के शॉट्स लगाने में माहिर थे। उन्होंने कहा, बैकलैफ्ट, हैड शॉट, संतुलन.. सब कुछ, जिस तरह से वह आगे झुकते, जब वह आगे बढ़कर खेलते, बैकफुट से बाहर, ऑफ साइड पर, लेग साइड पर ..तमाम शॉट। बाद में जब टी-20 क्रिकेट बढ़ा, तो स्कूप शॉट खेलते हुए उन्होंने तमाम शॉट दिखाए। उनके पास सब कुछ था। 24 साल के करियर में सचिन ने 200 टेस्ट और 463 वनडे मैच खेलने के बाद 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। वह अब भी दोनों फॉर्मेट (टेस्ट और वनडे) में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 53.79 की औसत से 15921 टेस्ट रन बनाए, जबकि वनडे में उनके नाम रिकार्ड 18426 रन दर्ज हैं।

आईपीएल से पहले सीएसके को झटका

नई दिल्ली , एजेंसी।

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के एक खिलाड़ी और 12 स्टाफ मेंबर्स कोरोना संक्रमित हो गए हैं। टीम की तरफ से अभी इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है। जिस खिलाड़ी को कोरोना हुआ है, उसका नाम भी सामने नहीं आया है। माना जा रहा है कि यह खिलाड़ी भारतीय है और तेज गेंदबाज है। चेन्नई की टीम में चार भारतीय तेज गेंदबाज हैं। इनके नाम शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर, केएम आसिफ और मोनू कुमार हैं। दुबई में आईपीएल की शुरुआत 19 सितंबर से होनी है। चेन्नई की टीम 21 अगस्त को दुबई पहुंची थी। इसके बाद सात दिन के लिए पूरी टीम को क्वारंटाइन किया गया था। चेन्नई की टीम को शुक्रवार से ही प्रैक्टिस शुरू करनी थी। इसी दौरान टीम का एक खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ के 12 लोग पॉजिटिव आ गए। इसमें सीएसके टीम मैनेजमेंट के सीनियर ऑफिशियल और उनकी पत्नी के अलावा सोशल मीडिया टीम से जुड़े दो मेंबर्स भी शामिल हैं। अब टीम को सात दिन और क्वारंटाइन में रहना होगा। इसके बाद चौथा कोरोना टेस्ट होगा। इसकी रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद ही खिलाड़ी ट्रेनिंग शुरू कर पाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक टीम इंडिया के लिए खेल चुके तेज गेंदबाज दीपक चाहर कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। हालांकि खबर लिखे जाने तक कौन सा खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव निकला है, इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यूएई पहुंचने से पहले आईपीएल में हिस्सा ले रहे भारतीय खिलाड़ियों और स्टाफ का पांच बार कोरोना टेस्ट हुआ था। सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद ही ये लोग यूएई पहुंचे थे। विदेशी खिलाड़ियों को भी यूएई में आने से पहले 14 दिन क्वारंटाइन किया गया था। साथ ही दो नेगेटिव रिपोर्ट के बाद ही वे यूएई के लिए रवाना हुए थे। यूएई रवाना होने से पहले सिर्फ चेन्नई टीम ने ही अपना ट्रेनिंग कैंप लगाया था। बाकी सभी टीमें सीधे यूएई के लिए रवाना हुई थीं। चेन्नई टीम ने चेपॉक स्टेडियम में पांच दिन का कैंप लगाया था। इसमें कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, सुरेश रैना, अंबाती रायडू, शार्दुल ठाकुर के अलावा कई और खिलाड़ी मौजूद थे। रविंद्र जडेजा और हरभजन सिंह ने इस कैंप में हिस्सा नहीं लिया था। फ्रैंचाइजियों ने खिलाड़ियों को अपना परिवार लाने की इजाजत तो दी है, लेकिन उन्हें भी कोरोना प्रोटोकॉल का हर हाल में पालन करना होगा। परिवार को भी बायो-सिक्योर माहौल के बाहर किसी से मिलने की अनुमति नहीं है। साथ ही अन्य खिलाड़ियों और उनके परिवार से बातचीत के दौरान मास्क लगाना होगा और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना है। दुबई। इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी टीम दिल्ली कैपिटल्स के नए गेंदबाजी कोच रेयान हैरिस शुक्रवार को दुबई पहुंच गए। आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज रेयान हैरिस दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों और अन्य सदस्यों के साथ जुड़ेंगे। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के प्रमुख कोच रिकी पोंटिंग गुरुवार सुबह दुबई पहुंच गए थे। पोंटिंग और हैरिस छह दिनों तक अनिवार्य आइसोलेशन में रहेंगे। दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को हैरिस को टीम का गेंदबाजी कोच बनाया था। टीम के गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स निजी कारणों से इस बार टीम से नहीं जुड़ सके, जिसके कारण टीम ने हैरिस को यह जिम्मेदारी दी है।

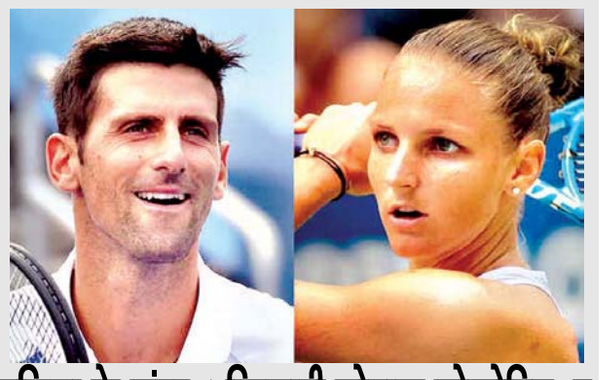

दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी नोवाक जोकोविच व कैरोलिना प्लिसकोवा को शीर्ष वरीयता

नयी दिल्ली , एजेंसी। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को 31 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल में, जबकि कैरोलिना प्लिसकोवा को महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता दी गई है। ड्रॉ के मुताबिक, सर्बिया के जोकोविच पहले दौर में दामिर दजुमहुर से भिड़ेंगे, जबकि चेक गणराज्य की प्लिसकोवा का सामना अनहेलिना कालिनिना से होगा। डेविड गोफिन भी जोकोविच के हाफ में है, जिनका पहले दौर में रील्ले ओपेल्कि से सामना होगा।

पांचवी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना 2017 यूएस ओपन के उपविजेता केविन एंडरसन से होगा। चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास को पहले दौर में स्पेन के रामोस विनोलास की चुनौती से पार पाना होगा। तीसरी वरीयता हासिल दानिल मेदवेदेव 2019 सेमीफाइनलिस्ट और छठी वरीयता प्राप्त माटेओ बेरेटिनी, जबकि दूसरी वरीयता प्राप्ता डोमिनिक थिएम जापान के योशिहितो निशिओका के खिलाफ पहले दौर के मुकाबले खेलेंगे।

कंगना रनौत की फिल्म शतेजसकी शूटिंग दिसंबर में होगी शुरू, उड़ान भरेंगी फाइटर पायलट बनकर

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद लगातार बेबाकी से फिल्म इंडस्ट्री के खिलाफ बयान दे रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी बात इस मुद्दे पर खुल कर रखती आ रही हैं। इसी बीच कंगना की एक नई फिल्म का पोस्टर सोशल मीडिया पर हाल ही में जारी किया गया है। अपने इस नए प्रोजेक्ट में आसमान की ऊंचाईयों को कंगना रनौत छूती हुई दिखाई देंगी। दरअसल इस फिल्म में एक लड़ाकू विमान उड़ाती हुई कंगना नजर आएंगी। कंगना रनौत ने अपनी आगामी फिल्म 'तेजस' का पोस्टर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर रिलीज किया है। भारतीय वायु सेना की पायलट इस फिल्म में कंगना रनौत का रोल प्ले करती दिखाई देंगी। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कंगना रनौत ने 28 अगस्त शुक्रवार को फिल्म 'तेजस' की पहली झलक दिखाई। इस साल दिसबर में कंगना की फिल्म तेजस की शूटिंग शुरू होगी। वायु सेना के पायलट की वर्दी में कंगना फिल्म के पोस्टर में नजर आ रही है। जबकि इंडियन एयर फोर्स का फाइटर प्लेन तेजस उनके पीछे खड़ा हुआ है। कंगना ने इस पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया और लिखा, रुज्मरें दिसंबर में उड़ान भरेगा। भारतीय वायु सेना के जांबाज पायलटों को समर्पित इस शानदार कहानी का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रही हूं। जय हिंद।प्रोड्यूसर रॉनी स्करूवाला के टैच् प्रोडक्शन के बैनर तले यह फिल्म बन रही है साथ ही इसका निर्देशक सर्वेश मेवाड़ा करेंगे। कंगना ने अपने 15 साल के फिल्मी कैरियर में अलग-अलग किरदार निभाए हैं। लेकिन सुरक्षा बलों की वर्दी में कंगना पहली बार नजर आएंगी। वायु सेना के जांबाज पायलटों की कहानी फिल्म के नाम और पोस्टर से साफ जाहिर हो गयी है उन पर आधारित होगी। एडवांस्ड लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस भारत का इकलौता स्वदेशी एयरक्राफ्ट है।

बेहद दिलकश है नुसरत भरूचा की ये लेटेस्ट तस्वीरें, एक बार आप भी देखिए तो सही

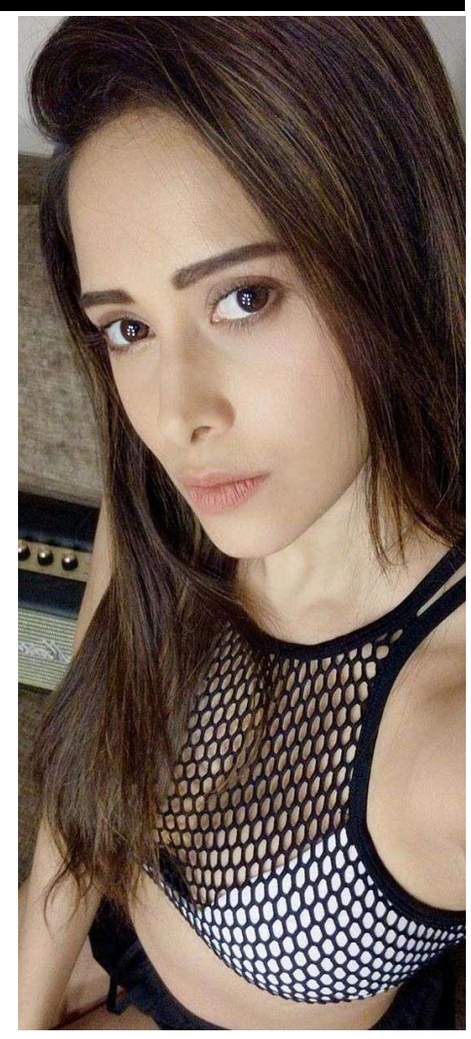

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री नुसरत भरूचा खूबसूरती के मामले में किसी से पीछे नहीं है। वैसे नुसरत भरूचा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। तभी तो नुसरत आये दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से इंटरनेट का तापमान बढ़ाने में माहिर हैं और अपने फैंस के लिए अपनी एक से बढ़कर एक फोटोज शेयर करती रहती हैं। हाल ही में अदाकारा ने एक बार फिर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है, जिन्हें देखकर आप अपनी नजरें नहीं हटा सकेंगे। नुसरत भरूचा की सोशल मीडिया पर काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है और उनके इंस्टाग्राम पर 25 लाख से ज्याद फॉलोअर्स हैं। खैर,इस बात में कोई दोराए नहीं है कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों को शेयर करने के लिए जानी जाती हैं। मगर उन्हें कई मौकों पर अपनी ड्रेस कि वजह से ट्रोलिंग का शिकार भी होना पड़ता है। बॉलीवुड में साल 2006 में फिल्म जय संतोषी मां से डेब्यू करने वाली अभिनेत्री नुसरत भरूचा ने कई सारी फिल्में जैसे कल किसने देखा, लव सेक्स और धोखाश, प्यार का पंचनामा, सोनू के टीटू की स्वीटी में काम किया है।

मगर नुसरत भरूचा को एक खास पहचान साल 2011 में आई फिल्म प्यार का पंचनामा से मिली। वहीं आखिरी बार नुसरत डायरेक्टर नवजोत गुलाटी की फिल्म श्जय मम्मी दी में दिखाई दी थी। फिल्म में एक्ट्रेस के साथ सनी सिंह और सोनाली सहगल भी नजर आये थे। अगर नुसरत भरूचा के अपकमिंग प्रोजेक्ट कि बात करें तो वो अब जल्द ही डायरेक्टर हंसल मेहता की फिल्म छलांग में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ राजकुमार राव होंगे।

क्या सुशांत से ब्रेकअप के बाद अंकिता लोखंडे ने किया था कुशाल टंडन को डेट?

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे को लेकर मीडिया में खबरें सामने आ रही हैं कि दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत से ब्रेकअप के बाद टीवी एक्टर कुशल टंडन को डेट किया था। अब इन सभी बातों का खंडन करते हुए एक्टर ने कहा है कि अंकिता और वह कभी रिलेशन में नहीं थे। हम सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। इसके अलावा कुशाल लोगों से कह रहे हैं कि बेवजह जो एक-दूसरे पर दोष देने का खेल है उसमें उन्हें नहीं घसीटा जाए। दरअसल एक मीडिया खबर के अनुसार, अंकिता और कुशाल ने एक-दूसरे को डेट साल 2016 में सुशांत सिंह राजपूत से ब्रेकअप करने के बाद किया था। कुशाल टंडन ने इस खबर का खंडन करते हुए ट्वीट में लिखा, यह शर्मशार कर देने वाली पत्रकारिता है, सही में। सुशांत और अंकिता दोनों ही मेरे दोस्त रहे हैं। इस वक्त एक-दूसरे को दोष देने के इस खेल में मेरा नाम क्यों घसीटा जा रहा है। मुझे कृपया इन सबसे दूर रखें। हैरानी होती है कि हम कैसी खबरों की दुनिया में जी रहे हैं। कुशाल ने अपने ट्वीट में आगे लिखा, दुनिया कृपया सुशांत की आत्मा को शांति से रहने दें। यहां तो सर्कस चल रहा है और वह हीरा जरूर आसमान से यह सबकुछ देखकर हंस रहा होगा। सुशी आराम से रहो जैसे तुम हमेशा रहते थे..यहां सिर्फ हल्ला मचा हुआ है। दरअसल ऐसी ही खबरें साल 2016 में आई थीं जब सुशांत और अंकिता का ब्रेकअप हो गया था। तब अफ्वाहें थी कि कुशाल टंडन और अंकिता लोखंडे रिलेशन में है। लेकिन उस दौरान भी दोनों ने यह बातों को गलत बताया था। दोनों ने कहा था कि अच्छे दोस्त हैं हम। अब जब दोनों की डेटिंग की खबर फिर सामने आई तो इसपर कुशाल टंडन ने अपनी नराजगी जाहिर की।

रिया चक्रवर्ती के दावों पर बोले सैमुएल हाओकिप- सुशांत सिंह राजपूत ने कभी नहीं ली कैमिकल ड्रग

सुशांत सिंह राजपूत के केस में रोजाना नए दावे और खुलासे सामने आ रहे हैं। इस मामले पर रिया चक्रवर्ती ने एक न्यूज चौनल को दिए इंटरव्यू में कई दावे किए थे। हालांकि रिया के दावों पर कई लोगों ने सवाल उठाए हैं और उनमें ऐसे लोग भी हैं जो सुशांत के करीबी रहे हैं। सुशांत के दोस्त रहे सैमुएल हाओकिप ने भी रिया का यह दावा खारिज कर दिया है कि सुशांत को फ्लाइट में डर लगता था और वह फ्लाइट में बैठने से पहले मोडाफिनिल नाम की ड्रग लेते थे। दिसंबर 2018 में सुशांत अपने 6 दोस्तों के साथ थाइलैंड की ट्रिप पर गए थे। रिया ने दावा किया था कि इस ट्रिप में सुशांत ने 70 लाख रुपये खर्च किए थे। सुशांत के साथ इस ट्रिप पर सैमुएल भी जाने वाले थे लेकिन निजी कारणों से नहीं जा पाए। हालांकि सैमुएल ने यह नहीं बताया कि सुशांत ने इस ट्रिप पर कितना खर्च किया था लेकिन उन्होंने रिया के इस दावे को जरूर खारिज किया है कि सुशांत को फ्लाइट में डर लगता था। मिड डे से बात करते हुए सैमुएल ने बताया कि वह सुशांत के साथ अक्टूबर 2018 से लेकर जुलाई 2019 तक रहे थे। उन्होंने बताया कि थाइलैंड की ट्रिप में सुशांत के साथ सिद्धार्थ गुप्ता, कुशल झावेरी, अब्बास, मुश्ताक, साबिर अहमद भी साथ में थे। सैमुएल ने यह भी बताया है कि इस ट्रिप में सुशांत के साथ सारा अली खान भी गई थीं। सैमुएल ने रिया के दावे को खारिज किया कि सुशांत को क्लॉस्ट्रोफोबिया था और फ्लाइट में चढ़ने से पहले वह मोडाफिनिल नाम की ड्रग लेते थे। उन्होंने कहा कि वह सुशांत के साथ कई बार सफर कर चुके हैं और उन्हें कभी भी ऐसा याद नहीं है कि फ्लाइट से पहले सुशांत ने कोई ड्रग ली हो। सैमुएल ने कहा कि अगर सुशांत क्लॉट्रोफोबिक होते तो फ्लाइट में परेशान हो जाते, लेकिन वह तो फ्लाइट के दौरान किताबें पढ़ते थे, म्यूजिक सुनते थे या अपना मनपसंद खाना खाते थे। सैमुएल ने यह भी कहा कि जब तक वह सुशांत के साथ रहे, उन्होंने कभी सुशांत को कैमिकल ड्रग लेते हुए नहीं देखा।

पेरिस में सुशांत कमरे से बाहर नहीं निकले थे? रिया चक्रवर्ती के दावे से इस वीडियो ने उठाया पर्दा

सुशांत सिंह राजपूत केस में ड्रग का एंगल सामने आया है जिसके बाद हर कोई हैरान रह गया है। सुशांत मौत केस में सीबीआई जांच कर रही है। बता दें कि हाल ही में एक निजी न्यूज चौनल को सुशांत सिंह राजपूत की गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने ऊपर लग रहे आरोपों का जवाब दिया। रिया चक्रवर्ती से जब सवाल किया गया कि सुशांत के डिप्रेशन का आपको कब पता चला था। इसके अलावा यूरोप ट्रिप को लेकर भी रिया ने इंटरव्यू में खुलासे किए और बताया कि सुशांत का बर्ताव काफी बदला हुआ था जब वह लोग पेरिस पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि कमरे से बाहर वह निकले नहीं। सोशल मीडिया पर सुशांत सिंह का एक पुराना वीडियो वायरल होने लग गया रिया की इस दावे के बाद ही। इस वीडियो में पेरिस की सड़कों पर सुशांत खूब मस्ती करते नजर आ रहे हैं। बता दें कि ट्विटर पर 9 अक्टूबर 2019 को सुशांत सिंह राजपूत ने खुद इस वीडियो को साझा किया था। हालांकि अब इसी वीडियो को रीट्वीट क्रिकेटर मनोज तिवारी ने रिया पर निशाना साधते हुए ट्विटर पर शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पेरिस के डिज्नीलैंड में सुशांत सिंह खूब मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि काफी एक्साइटेड सुशांत डिज्नीलैंड जाने के लिए दिखाई दे रहे हैं। लेकिन यह पता नहीं चला है कि किसने यह वीडियो शूट किया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए मनोज तिवारी ने लिखा, वो कह रही हैं कि सुशांत पेरिस में तीन दिन तक कमरे से बाहर नहीं निकले। हैलो हैलो...ये सबूत है कि वो (सुशांत) पेरिस में डिज्नीलेंड में एंजॉय कर रहा था। कितनी झूठी है ये। इंटरव्यू में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने कहा था, यूरोप ट्रिप पर हम पहले पेरिस लैंड हुए, वहां तीन दिन तक सुशांत कमरे से बाहर नहीं निकला। ये देखकर मुझे थोड़ा अजीब लगा क्योंकि ट्रिप पर जाने से पहले वो काफी खुश था। वो मुझे अपना अलग अंदाज दिखाना चाहता था, वो मस्ती करना चाहता था। लेकिन वहां (पेरिस) पहुंचने के बाद वो कमरे से ही नहीं निकला। उसके बाद हम दूसरी जगह गए स्विट्जरलैंड।

रिया चक्रवर्ती को सुरक्षा प्रदान करेगी मुंबई पुलिस

सुशांत सिंह राजपूत के केस में सबसे ज्यादा अगर कोई चर्चा में है तो वह रिया चक्रवर्ती हैं। रिया चक्रवर्ती इस केस में मुख्य आरोपी हैं और उन पर एक साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीआई और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का शिकंजा कसता जा रहा है। रिया चक्रवर्ती से इस समय सीबीआई सुशांत केस में पूछताछ कर रही है और पिछले दो दिनों से रिया पूछताछ के लिए डीआरडीओ गेस्ट हाउस जा रही हैं। रिया चक्रवर्ती के खिलाफ पब्लिक में काफी गुस्सा है और उनकी लोग लगातार न केवल उनके बारे में बात कर रहे हैं बल्कि उनके परिवार का पीछा भी करते हैं। इसे देखते हुए मुंबई पुलिस ने फैसला किया है कि वह रिया चक्रवर्ती को सुरक्षा मुहैया कराएगी। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया है कि रिया के घर से लेकर डीआरडीओ गेस्ट हाउस के सफर के दौरान पुलिस उन्हें सुरक्षा देगी। सीबीआई की टीम डीआरडीओ गेस्ट हाउस में ही पूछताछ कर रही है। बता दें कि रिया से पहले सीबीआई की टीम सुशांत सिंह राजपूत के कुक नीरज, हाउस हेल्प केशव, स्टाफ दीपेश सावंत, फ्लैटमेट सिद्धार्थ पिठानी, सीए, अकाउंटेंट, रिया के भाई शौविक चक्रवर्ती से लंबी पूछताछ कर चुकी है। इसके साथ ही माना जा रहा है कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो भी ड्रग डीलिंग के मामले में जल्द ही रिया से लंबी पूछताछ कर सकता है।

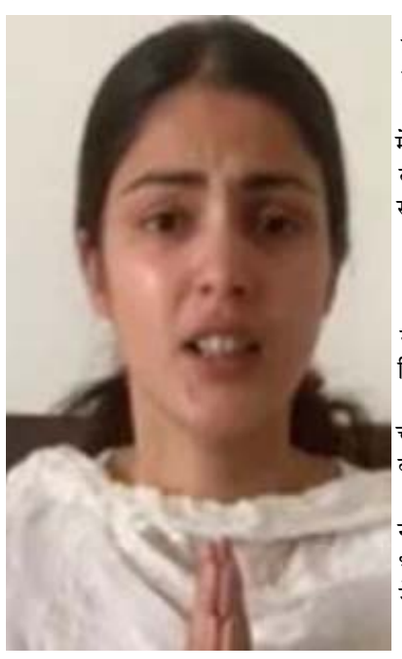

सारा अली खान की गणेशोत्सव सेलिब्रेशन की तस्वीरें आई सामने,बप्पा की मूर्ति के आगे हाथ जोड़ कर किया नमन

कोरोना काल में भी बॉलीवुड सेलेब्स ने अपने-अपने घरों में गणपति की मूर्ति की स्थापना की और शानदार अंदाज में गणेशोत्सव का जश्न मनाया। हालंकि इस जानलेवा वायरस को ध्यान में रखकर इस बार सभी ने परिवार के सदस्यों के साथ ही गणपति की पूजा की। इस बीच एक्ट्रेस सारा अली खान ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ गणेशोत्सव सेलिब्रेशन की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं,जिसमें सारा अली खान बप्पा की मूर्ति के सामने दोनों हाथ जोड़े खड़ी हैं। वैसे कुछ भी हो सारा अली खान की इस बात में खूब तारीफ है कि वो हर एक त्योहार बड़े धूमधाम से मानती है फिर चाहे गणेश चतुर्थी हो ईद या दिवाली। ऐसे में सारा ने गणेश चतुर्थी के खास मोके पर दो तस्वीरें पोस्ट की हैं जिसमें वो हाथ जोड़े कैमरे के सामने पोज देती नजर आ रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान एक्ट्रेस ने गुलाबी रंग का सूट पहना हुआ है और ट्रेडिशनल अवतार में सारा खूब कयामत ढा रही हैं।

कंचन उजाला हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।